वर्ष : 17 ❖ अंक : 315 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 23 जून 2023

जल रहा है मणिपुर मगर पीएम मौन : राहुल गांधी 3 | मणिपुर में स्थिति संभालने के लिए अमित शाह काफी, पीएम मोदी की जरूरत नहीं : फडणवीस 8

सिक्किम के राजस्व का 98.2 प्रतिशत हिस्सा वेतन पर होता है खर्च : सीएम

सीएम गोले ने की आवास उन्नयन योजना की घोषणा

मधु शर्मा

गेजिंग, 22 जून । जिला ग्रामीण विकास विभाग एवं पेमा रिनजिंग लामा हायर सेकेंडरी स्कूल यांगसुम के संयुक्त तत्वावधान में आज गेजिंग-बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व जिला पंचायत, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत और बरमेक बीएसी के सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए एक विशेष सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री लोकनाथ शर्मा, भीमहांग सुब्बा, विधायक सुनीता गजमेर, केएस लेप्चा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव, प्रेस सचिव के अलावा विभागीय सलाहकार, अध्यक्ष, अधिकारी, मार्ताम बीएसी के विभिन्न फीडर स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षक भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गोले ने गेजिंग-बर्मेक क्षेत्र के पूर्व जिला एवं वार्ड पंचायत को सम्मानित करने के साथ ही प्रखंड प्रशासनिक केंद्र के लंबे समय से अध्यापन करते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य हेतु मार्गदर्शन करने और समाज की सेवा करने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी स्वयं अपने हाथों से भोजन कराकर, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं इस दौरान राज्य सरकार की योजना के तहत बेघर नागरिकों को जमीन के कागजात भी सौंपे गये। इसके अलावा, मार्ताम और श्रीबादाम में हाल ही में हुई भारी बारिश और भूस्खलन के कारण प्रभावित परिवारों को भी मुख्यमंत्री ने राहत राशि सौंपी।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री गोले ने इस कार्यक्रम को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनका यांगसुम के साथ भावनात्मक रिश्ता है। साथ ही 2019 में राज्य में एसकेएम सरकार बनने के बाद गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र में हुए विभिन्न विकासमूलक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने जल्द ही क्षेत्र में बाजार की आधारशिला रखे जाने की जानकारी दी। उनके अनुसार, यह बाजार इस क्षेत्र के विकास का केंद्र बिंदु बनेगा। उनके अनुसार, वर्तमान में राज्य के राजस्व का 98.2 प्रतिशत हिस्सा वेतन पर खर्च होता है और 1.8 प्रतिशत राजस्व का उपयोग ही विकास कार्यों में हो सकता है। ऐसे में उन्होंने यहां बाजार निर्माण हेतु जमीन मालिकों जमीन दे सकने की बात कही। उन्होंने बताया कि विभाग काम शुरू करने के लिए तैयार है और जल्द ही इसका काम शुरू कर दिया जायेगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच सामुदायिक खेल मैदानों के साथ ही श्मशान, सामुदायिक भवन और पांच सामुदायिक घरों का निर्माण किये जाने की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक हजार आवास उन्नयन योजना शुरू करने एवं इसके लिए दो किस्तों में 50 हजार रुपए देने, 500 घरों को रूफ शीट प्रदान करने, सिक्किम गरीब आवास योजना के तहत प्रत्येक वार्ड में पांच घर प्रदान करने की भी घोषणाएं कीं।

वहीं, राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र पर बोलते हुए मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि वर्तमान में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को उनकी जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और इसके तहत अब सिलीगुड़ी के अस्पतालों में भी इस पर काम किया जा रहा है। उन्होंने गरीब जन कल्याण प्रकोष्ठ की पहल पर पथरी के ऑपरेशन कराये जाने की जानकारी दी। वहीं शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्कूलों की मांगों को पूरा करने का वादा किया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक व मंत्री लोकनाथ शर्मा ने भी वर्तमान सरकार द्वारा पश्चिम सिक्किम के साथ-साथ गेजिंग-बर्मेक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किये गये विकास कार्य का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के उत्थान हेतु पंचायतों के योगदान को देखते हुए उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार द्वारा राज्य और राज्य वासियों के कल्याण के लिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किये जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने गेजिंग-बर्मेक विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक नौमाटी हेरिटेज सेंटर का निर्माण होने का जिक्र करते हुए बताया कि कल मुख्यमंत्री के हाथों इसका शिलान्यास किया जाएगा। उनके अनुसार, यह सेंटर न केवल सिक्किम, बल्कि समूचे देश के साथ-साथ दुनिया के लिए भी ऐतिहासिक और अनुकरणीय होगा।

पवन चामलिंग ने फूंका चुनावी बिगुल

कहा- पार्टी सत्ता में आई तो पहली कैबिनेट बैठक में सभी अस्थायी कर्मचारी होंगे स्थायी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून । सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री तथा सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी प्रमुख पवन चामलिंग ने आज पार्टी के 31वें संपूर्ण क्रांति दिवस कार्यक्रम में आगामी 2024 के चुनावों का बिगुल फूंकते हुए सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पर करारा हमला बोला।

इसके साथ ही उन्होंने कई घोषणाएं कीं और 2024 में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की घोषणा की। इन घोषणाओं में एसडीएफ सरकार बनने पर पहली कैबिनेट की बैठक में ही सभी अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने, कर्मचारियों का स्थानांतरण केवल उनके अनुरोध पर ही किये जाने एवं पुरानी पेंशन नीति लागू करने जैसे मुद्दे शामिल रहे। चामलिंग के मुताबिक, अगर 2024 में एसडीएफ पार्टी की सरकार दोबारा आई तो सिक्किम के लोगों को मुफ्त बिजली मिलेगी।

पवन चामलिंग ने अपने चुनावी घोषणा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगर उनकी पार्टी की सरकार 2024 में सत्ता में आती है तो सरकार की क्षमता का विकेंद्रीकरण किया जाएगा। राज्य बजट का 70 फीसदी हिस्सा गांवों और पंचायतों के लिए आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने एसडीएफ सरकार में सिक्किम को एक बार फिर दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करते हुए राज्य को दुनिया का ऑक्सीजन चेंबर बनाने की भी बात कही।

वहीं, अपने संबोधन के दौरान एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने राज्य में मौजूदा एसकेएम सरकार की कमियों और कथित गलत कामों का जिक्र किया और एसडीएफ पार्टी की सरकार आने पर सिक्किम को एक बार फिर खुशहाल राज्य बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि एसडीएफ सरकार में सिक्किम के युवाओं को रोजगार के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाने के लिए सुबह तीन बजे तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे राज्य के युवाओं को रोजगार मुहैया कराएंगे। उन्होंने एसकेएम सरकार को गैंगस्टरों के अनुकूल सरकार बताते हुए आगे कहा कि एसडीएफ पार्टी की सरकार युवाओं के अनुकूल होगी।

एसकेएम सरकार को गैंगस्टरों के अनुकूल बताया

पवन चामलिंग ने यह भी आरोप लगाया कि पीएस गोले की सरकार ने सिक्किम को सीमाहीन बना दिया है। उन्होंने कहा, एसडीएफ सरकार सिक्किम को डूबने नहीं देगी। एसडीएफ नेता ने आगे कहा कि एसकेएम के फर्जी वादों और कार्यशैली को देखकर आज युवा भी एसडीएफ पार्टी में शामिल हो रहे हैं। अब लोगों ने परिवर्तन का स्वाद चख लिया है, अब वे फिर से एसडीएफ को सत्ता में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर लोगों ने वोट दिया तो कोई भी सीएम बन सकता है, लेकिन हर सीएम अच्छा नेता नहीं होता है।

वहीं, 2024 के चुनाव को महायज्ञ बताते हुए उन्होंने कहा कि वे अब इस महायज्ञ के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अब हम फिर से सत्ता में आएंगे और वह एसडीएफ 2.0 होगा और वह संपूर्ण क्रांति आंदोलन का भी हिस्सा होगा जो बहुत पहले शुरू किया गया था। चामलिंग ने कहा कि एसडीएफ पार्टी की मांग सिक्किम के भारत में विलय की शर्त के रूप में संविधान के अनुच्छेद 371एफ की समीक्षा करना है। इसके (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सड़क दुर्घटना में महाराष्ट्र के पर्यटक की मौत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून । सिक्किम के गेजिंग जिले में स्थित रिम्बी झरने के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में महाराष्ट्र की रहने वाली एक महिला पर्यटक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान 49 वर्षीय कविता गाडगिल के रूप में हुई है जो अपने पति राजीव गाडगिल के साथ पर्यटक के रूप में सिक्किम घूमने आई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उनके पति राजीव गाडगिल को हादसे में गंभीर चोटें आईं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब घटी जब टिक्लुक के पासन नोरबू भूटिया द्वारा संचालित एक वाहन ने रिम्बी झरने के पास पर्यटकों को टक्कर मार दी।

कार के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और सिक्किम पुलिस ने उसके खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है।

दार्जिलिंग के घूम में सिक्किम के वाहन चालक से दुर्व्यवहार की घटना निदंनीय : आशीष राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून । दार्जिलिंग के घूम इलाके में सिक्किम के एक वाहन चालक के साथ बंगाल पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार करने के मामले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सिटीजन एक्शन पार्टी सिक्किम ने इसकी तीव्र निंदा की है। साथ ही सीएपीएस ने इस मामले में राज्य की एसकेएम सरकार द्वारा कोई कदम नहीं उठाने हेतु आलोचना करते हुए दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सिटीजन एक्शन पार्टी सिक्किम की चालक परिषद के अध्यक्ष आशीष राई ने कहा कि पूरी तरह पर्यटन उद्योग पर टिके दार्जिलिंग एवं सिक्किम को जोड़ने में इन चालकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके द्वारा ही पर्यटन उद्योग का विकास एवं विस्तार किया जाता है। लेकिन समय-समय पर सिक्किम के ड्राइवरों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है। उनके अनुसार, पिछले दिनों ही ऐसी ही एक घटना में सिक्किम के प्रेम छेत्री नामक एक टैक्सी ड्राइवर के साथ दार्जिलिंग पुलिस द्वारा ज्यादती की गई है। इस संबंध में प्रेम छेत्री की ओर से जारी वीडियो में कहा गया है कि कार के सारे कागजात ठीक होने के बावजूद उनसे पैसे मांगे गये और न देने पर पुलिस चौकी में बुलाकर मारपीट की गई।

इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय बताते हुए राई ने राज्य सरकार द्वारा इसे लेकर कुछ नहीं करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, क्या वर्तमान सरकार द्वारा सारथी दिवस मनाने पर करोड़ों रुपए खर्च करना महज एक नाटक है? यदि नहीं, तो राज्य के बाहर ड्राइवरों के खिलाफ इस प्रकार का अत्याचार होने पर भी सरकार को कभी भी बोलते नहीं सुना गया है। उन्होंने कहा, सरकार राज्य की जनता की संरक्षक है, लेकिन मामले में उनकी चुप्पी से साफ है कि राज्य सरकार ड्राइवरों और मजदूरों के पक्ष में नहीं (शेष पृष्ठ ०३ पर)

डिजिटल दुनिया का सुरक्षित उपयोग करने के लिए जागरुकता जरूरी : राज्यपाल

वित्तीय साक्षरता के उद्देश्य से राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून । स्कूली बच्चों में वित्तीय साक्षरता के उद्देश्य से अखिल भारतीय प्रतियोगिता की कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक-गंगटोक द्वारा आज यहां राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विभिन्न स्कूल के विजेताओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य उपस्थित थे। राज्यपाल के अलावा, कार्यक्रम में राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव रवींद्र तेलंग, सूचना व जनसंपर्क सचिव नम्रता थापा, नाबार्ड महाप्रबंधक एसके गुप्ता एवं भारतीय रिजर्व बैंक-गंगटोक के क्षेत्रीय निदेशक किशोर परियार के अलावा विभिन्न बैंकों के गणमान्य अतिथि, सरकारी अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य और छात्र भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में राज्य के छह जिलों के स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें गंगटोक के सिच्चे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पाकिम के मुलुके सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मंगन गवर्नमेंट गर्ल्स सेकेंडरी स्कूल, नामची के लिंगी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गेजिंग के लेगशिप सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सोरेंग के चुम्बोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी शामिल रहे। गौरतलब है कि आरबीआई गंगटोक ने पिछले महीने के दौरान ही राज्य के सभी 33 ब्लॉकों में सफलतापूर्वक क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की थीं, जिनमें 250 सरकारी स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था।

आज प्रतियोगिता में लेगशिप सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने प्रथम, लिंगी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने द्वितीय और मुलुके सीनियर सेकेंडरी स्कूल तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रतियोगिता का संचालन क्विज मास्टर निर्मल मंगर ने किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए आरबीआई क्षेत्रीय निदेशक, आईपीआर सचिव, स्कूलों, शिक्षा अधिकारियों और जिला अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच छात्रों को वित्तीय मामलों के प्रति जागरुकता के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लेते और दक्षता एवं सटीकता के साथ सवालों के जवाब देते हुए देखकर उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ है। ऐसे आयोजनों से हमारी युवा पीढ़ी के वित्तीय कौशल का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के उदय के मौजूदा समय में अवसर और जोखिम दोनों समान रूप से हैं और ऐसे में हमारे युवाओं के पास डिजिटल दुनिया का सुरक्षित उपयोग करने हेतु कौशल और जागरुकता होनी चाहिए।

शिक्षा को सशक्तिकरण की कुंजी बताते हुए राज्यपाल ने आगे कहा कि सिक्किम के वर्तमान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हमारी आबादी का (शेष पृष्ठ ०३ पर)

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना : बहुप्रतीक्षित हेरिटेज वॉक का हुआ आयोजन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून । स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत राज्य पर्यटन विभाग, गंगटोक जिला प्रशासन और पीडीएमसी (आईपीई ग्लोबल लिमिटेड) की पहल पर पर्यटन के बढ़ावा देने तथा क्षेत्र की जीवंत संस्कृति एवं इतिहास के प्रति जागरुकता लाने के लिए आज यहां एक बहुप्रतीक्षित हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। पिछले साल इस आयोजन को मिली सफलता के बाद इस वर्ष भी वॉक का आयोजन किया गया था। स्थानीय प्रतिष्ठित सुगलाखांग मठ से सुबह 8 बजे शुरू होकर यह कार्यक्रम राज्य संग्रहालय व अभिलेखागार में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने राजधानी गंगटोक के ऐतिहासिक व आकर्षणीय स्थलों का भ्रमण करते हुए एक अविस्मरणीय यात्रा का आनंद उठाया।

जिला प्रशासनिक केंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हेरिटेज वॉक में प्रतिभागियों ने शानदार व्हाइट हॉल, आकर्षक पुष्प प्रदर्शनी, प्रतिष्ठित हवा घर और राजभवन सहित कई उल्लेखनीय स्थलों को देखा। राजभवन में रिसोर्स पर्सन द्वारा वहां के समृद्ध इतिहास एवं सिक्किम की मनमोहक संस्कृति की दिलचस्प जानकारी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, राज्य हस्तशिल्प व हथकरघा निदेशालय ने वॉक में शामिल लोगों का स्वागत करते हुए एवं वहां एक विशेषज्ञ गाइड ने उन्हें राज्य के पारंपरिक कपड़ों, हस्तशिल्प और उत्कृष्ट हथकरघा पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

सिक्कम राज्य संग्रहालय व अभिलेखागार पहुंच कर हेरिटेज वॉक का समापन हुआ, जहां उपस्थित एक अधिकारी ने संग्रहालय इमारत के महत्व और संरचनात्मक कौशल पर प्रकाश डाला।

इसके अलावा, वहां रखी पुरानी फाइलों और अभिलेखों को देखना भी प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय पल रहा, जिससे उन्हें क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व की झलक मिली। हेरिटेज वॉक का संचालन सहायक कलेक्टर जीएल मीणा ने सहायक (शेष पृष्ठ ०३ पर)

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

भारतीय नागरिकों से निम्नांकित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

अनु क्र.	पद	संविदात्मक समकक्ष ग्रेड/स्केल	रिक्ति	विज्ञापन सं.
1	सलाहकार (फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट)	टीईजीएस-VII (महाप्रबंधक)	01	CRPD/SCO/ 2023-24/08
2	वाइस प्रेसिडेंट (स्ट्रेस्ड एसेट्स मार्केटिंग)	टीईजीएस-VI (उप महाप्रबंधक)	01	CRPD/SCO/ 2023-24/06

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi/web/careers** पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. ईसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए, जैसा ऊपर बताया गया है, विस्तृत विज्ञापन पढ़ें.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 17.06.2023 से 10.07.2023 तक.**

कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया **"CONTACT US"→"Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 17.06.2023 — महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

'सच्चा ज्ञान विनम्रता देता है और विनम्रता से योग्यता आती है', जी-20 शिक्षा मंत्रियों से बोले पीएम मोदी

पुणे, 22 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को जी-20 शिक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। जी-20 शिक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जी-20 देश वैश्विक स्तर पर कौशल को बढ़ावा दे सकते हैं, उन कमियों को ढूंढ सकते हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है और अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिक्षा मंत्रियों से कहा कि वे सभी के लिए विकास, शांति और समृद्धि के प्रयास में मानवता की अगुवाई कर रहे हैं। इसी के साथ ही पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय धर्मग्रंथ शिक्षा की भूमिका का वर्णन आनंद प्रदान करने वाली कुंजी के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा ज्ञान विनम्रता देता है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन प्राप्त होता है, धन व्यक्ति को अच्छे कर्म करने में समर्थ बनाता है और यही आनंद लाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक समग्र और व्यापक यात्रा पर निकल पड़ा है।

उन्होंने कहा कि सीखने, कौशल और शिक्षा के क्षेत्र में आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत अवसर प्रदान करती है लेकिन प्रौद्योगिकी चुनौतियां भी पेश करती है। हमें सही संतुलन बनाना होगा। जी-20 इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि जी-20 देश अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के बीच। मैं आप सभी से अनुसंधान सहयोग बढ़ाने के लिए एक रास्ता बनाने का आग्रह करता हूं। यह बैठक हमारे बच्चों और युवाओं के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नई ई-लर्निंग को रचनात्मक तरीके से अपनाने और उसका उपयोग करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि इसका लक्ष्य बेहतर प्रशासन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला और स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव-लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स यानी स्वयं का भी अपने संबोधन में उल्लेख किया।

शिक्षा कार्य समूह ने चेन्नई, अमृतसर, भुवनेश्वर और पुणे में चार बैठकों के दौरान, विविध वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए समावेशी समाधान और सामूहिक कार्यों को खोजने पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर जोर दिया गया । ये क्षेत्र मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना, विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में, तकनीक-सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगी बनाना; काम के भविष्य के संदर्भ में क्षमताओं का निर्माण और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना; अनुसंधान को मजबूत करना और सहयोग तथा साझेदारी को बढ़ाने के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना आदि हैं।

शाह की पद्मश्री गायिका उषा बारले से मुलाकात, बीजेपी बना सकती है उम्मीदवार

दुर्ग, 22 जून (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ दौरे पर गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले से मुलाकात की। दुर्ग पहुंचते ही गृहमंत्री शाह सबसे पहले पद्मश्री गायिका से मिलने उनके सेक्टर-एक स्थित आवास पर पहुंचे। वहां पर दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। इस दौरान माना जा रहा है कि उषा बारले को पाटन विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार बना सकती है। केंद्रीय मंत्री के साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, सांसद विजय बघेल, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के 'महा जनसंपर्क अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने पद्मश्री पंडवानी गायिका उषा बारले से मुलाकात की। राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि भाजपा उन्हें विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बना सकती है। ऐसे में उन्हें अहिवारा या फिर पाटन से टिकट दिया जा सकता है। पाटन फिलहाल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विधानसभा क्षेत्र है। बताया जा रहा है कि, पद्मश्री लेने के दौरान उनके बातचीत करने के तरीके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को प्रभावित किया था।

उषा बारले ने बताया कि, जब वो पद्मश्री लेने दिल्ली गई थीं तो वहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री के साथ खाना खाया था। उसी दौरान उन्होंने कहा कि मैं तुम्हारे घर आऊंगा। उन्होंने अपना वादा पूरा किया। उषा बारले ने कहा कि, राजनीति में आना है या नहीं, ये तो भविष्य बताएगा। फिलहाल उनकी राजनीति में जाने या चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं है। कहा कि वे भाजपा में भी नहीं जा रही हैं। उन्हें किसी पार्टी से जोड़कर बदनाम न करें। आगे जो होगा वो देखा जाएगा।

संयुक्त विपक्ष बनने के पहले ही बिखरने के आसार, केजरीवाल का अल्टीमेटम, बोले- रुख साफ करे कांग्रेस

नई दिल्ली, 22 जून (एजेन्सी)। भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्ष बनने के पहले ही बिखरने के आसार दिख रहे हैं। पटना में विपक्षी दलों की संयुक्त मीटिंग होने के एक दिन पहले ही दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक ने तल्ख तेवर दिखाए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि अगर केंद्र द्वारा दिल्ली की नौकरशाही को नियंत्रित करने वाले अध्यादेश पर समर्थन नहीं देती है तो वह विपक्षी दलों की मीटिंग का बहिष्कार करेंगे।

आप ने गुरुवार को धमकी दी है कि अगर कांग्रेस केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के विरोध में उनकी पार्टी का समर्थन नहीं है तो वह शुक्रवार को होने वाली प्रमुख विपक्षी दलों की मीटिंग में शामिल नहीं होगी। बता दें कि केंद्र दिल्ली राज्य की नौकरशाही पर नियंत्रण के लिए एक अध्यादेश लाया है। इस अध्यादेश के कानून बनने के बाद दिल्ली सरकार का नियंत्रण प्रशासन से खत्म हो जाएगा। पिछले महीने केंद्र द्वारा पेश किए अध्यादेश का उद्देश्य दिल्ली अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा कैडर के समूह-ए अधिकारियों के खिलाफ स्थानांतरण और अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए एक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण की स्थापना करना है

बिलासपुर-दुर्ग स्टेशन से छूटने वाली ट्रेनों में चोरी से रेलवे परेशान, 56 लाख के चादर-कंबल गायब

नई दिल्ली, 22 जून (एजेन्सी)। भारतीय रेलवे इन दिनों छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जोन के बिलासपुर और दुर्ग डिपो से छूटने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों में होती चोरी की घटना से परेशान है। दरअसल, यहां से जाने वाली ट्रेनों के एसी कोच में यात्रियों को दिए जाने वाले कंबल, चादर, टॉवेल और तकिए तक चोरी हो रहे हैं। पिछले चार महीने में लगभग 55 लाख 97 हजार 406 रुपए के सामान की चोरी हो चुकी है। इस मामले में रेलवे प्रशासन भी हर महीने लाखों रुपए की पेनाल्टी ठेका कंपनी को लगा रहा है।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर जोन की छत्तीसगढ़ और नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच में सबसे ज्यादा चोरी की घटना हो रही है। इनमें छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस की पांच रैक है। इसमें सभी में चादर, तकिया, कंबल, नेपकिन की सप्लाई होती है। इसी ट्रेन में सबसे ज्यादा चोरी होती है। क्योंकि ये ट्रेनें अपने गंतव्य तक पहुंचने में 36 घंटे से भी ज्यादा का समय लेती हैं। कोच में अटेंडेंट का ठेका लेने वाली कंपनी को हर ट्रेन के हर कोच के हिसाब से अटेंडेंट रखने होते हैं। लेकिन इन दोनों ट्रेनों में कभी 4 तो कभी पांच ही अटेंडेंट रखे जाते हैं। जबकि किसी ट्रेन में 8 तो किसी में 10 एसी कोच होते हैं। इसलिए एक अटेंडेंट के जिम्मे में दो कोच आते हैं। इसलिए वे ठीक तरीके से कोच की देखभाल नहीं कर पाते हैं। सफर के दौरान आधी रात को यात्री अपने स्टेशनों में उतर जाते हैं। उस समय कोई अटेंडेंट नहीं होता है। बताया जाता है कि बिलासपुर कोचिंग डिपो की ट्रेनों में अटेंडेंट का ठेका कोलकाता की कंपनी और दुर्ग डिपो का ठेका रतलाम की कंपनी को दिया गया है।

इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री चादर, कंबल, तौलिया, तकिया कवर ही नहीं बल्कि चम्मच, केतली, नल, टॉयलेट में लगी टोटियां यहां तक की फ्लश पाइप तक चोरी कर लेते हैं। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जोन के ट्रेनों में लोग जमकर रेलवे के सामानों की चोरी कर रहे हैं। बिलासपुर और दुर्ग से चलने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों में कंबल, चादर, तकिया कवर, फेस टॉवेल की लगातार चोरी हो रही है। बिलासपुर जोन से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में पिछले चार महीने में करीब 55 लाख 97 हजार रुपये के तकिया, कंबल, फेस टॉवेल, चादर और पिलो कवर चोरी हो गए हैं। रेलवे ने इस चोरी पर ठेकेदार के खिलाफ सख्ती दिखाई है। रेलवे ने मूल दर से लगभग 75 फीसदी दर के हिसाब से ठेकेदार पर 41 लाख 97 हजार 846 रुपए का जुर्माना लगाया है। रेलवे अफसरों का कहना है कि, ट्रेनों के एसी कोच में ठेका कंपनियों को ट्रेन रवाना होने से पहले गिनती करके चीजें दी जाती हैं और वापस गिनती कर ली जाती है। जो भी कम होती है, उसकी वसूली ठेका कंपनी से की जाती है।

रेलवे ने जानकारी दी कि इस तरह से सामान की चोरी करना कानूनी रूप से गलत है। रेलवे प्रॉपर्टी एक्ट 1966 के तहत इस तरह के यात्रियों पर कार्रवाई की जाएगी इसमें यात्रियों पर जुर्माना लगने के साथ ही सजा भी मिलेगी। इसमें आपको अधिकतम 5 साल की जेल का प्रावधान है और जुर्माना भी रेलवे की तरफ से लगाया जाता है।

सीबीआई करेगी असम की 'लेडी सिंघम' की मौत की जांच, सड़क हादसे में मौत पर उठ रहे हैं कई सवाल

नई दिल्ली, 22 जून (एजेन्सी)। असम में दबंग छवि के लिए प्रसिद्ध रहीं पुलिस सब इंस्पेक्टर जुनमोनी राभा की 16 मई की सुबह एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसके बाद असम पुलिस ने राभा की मौत के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, वहीं अब अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने असम पुलिस से चार अलग-अलग मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है।

राभा के साथ सड़क हादसा असम के नागांव जिले में हुआ। पुलिस के मुताबिक जुनमोनी राभा की कार एक कंटेनर ट्रक से आमने-सामने टकरा गई, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। कुछ देर बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो जल्द ही लोगों को पूछताछ के लिए बुलाएगी और उन डॉक्टरों से भी मुलाकात करेगी जिन्होंने राभा का शव परीक्षण किया था।

वहीं राभा की मां ने एक प्राथमिकी में आरोप लगाया कि 16 मई को राभा की मृत्यु के तुरंत बाद, 1 बजे से 2 बजे के बीच, नागांव की पुलिस अधीक्षक लीना डोले ने उनके घर पर छापा मारा और उनसे हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। कुछ बैंक दस्तावेज साथ ले गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि छापेमारी में वह 4.30 लाख रुपये नकद भी ले गईं। अपनी शिकायत में मां ने कहा कि डोली ने उन्हें राभा की मौत के बारे में सूचित नहीं किया। दिन निकलने के बाद ही एक अन्य पुलिस अधिकारी ने उन्हें दुर्घटना के बारे में बताया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राभा की हत्या की गई है और उसके शरीर पर चोट के निशान थे। सीबीआई की विशेष अपराध इकाई ने अब उस दुर्घटना के साथ-साथ उस मामले की भी जांच शुरू कर दी है, जिसमें राभा की जान चली गई थी। सीबीआई ने दो और मामले भी अपने हाथ में ले लिए हैं, एक मामला जो राभा की सूचना पर पांच मई को नागांव पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए नकली मुद्रा रैकेट से जुड़ा है, और दूसरा नकली मुद्रा जांच में संदेह के घेरे में आए लोगों के परिवार के सदस्य द्वारा उसके खिलाफ दायर किया गया मामला है।

प्रति व्यक्ति आय में तेलंगाना देश में नंबर एक : केसीआर

हैदराबाद, 22 जून (एजेन्सी)। प्रति व्यक्ति आय, बिजली उपयोग और अन्य विकास सूचकांकों में तेलंगाना देश में नंबर एक है। भविष्य में तेजी से प्रगति जारी रखने के लिए उन्होंने लोगों से अपनी सरकार के लिए समर्थन मांगा है। दरअसल, राज्य में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव गुरुवार को पाटनचेरु में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 3.17 लाख रुपये है। 2014 में तेलंगाना के गठन के समय विकास को लेकर कई संदेह पैदा किए गए थे, जिसमें यह भी शामिल था कि राज्य बिजली की कमी के कारण अंधेरे में डूब जाएगा।

हालांकि, तेलंगाना अब देश का एकमात्र राज्य है जो घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति कर रहा है।

केसीआर ने आगे कहा, प्रति व्यक्ति के अलावा बिजली उपयोग में भी तेलंगाना देश में नंबर एक है। इससे पहले राव ने संगारेड्डी जिले के कोल्लूर में राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए बनाए गए डबल-बेडरूम आवास परिसर का उद्घाटन किया। 145 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 1489.29 करोड़ रुपये की लागत से 15,660 आवासीय मकान बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए बनाए गए डबल बेडरूम आवास देश में कहीं भी मौजूद नहीं है।

राज्य में पीने के पानी की आपूर्ति भी देश में कहीं और नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मेगा कालेश्वरम परियोजना शुरू करके पानी की कमी को दूर किया है। केसीआर किट नाम की गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण किट का प्रावधान और नए सरकारी अस्पतालों की स्थापना सहित स्वास्थ्य क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोग सरकार को फिर से आशीर्वाद देते हैं तो राज्य तेजी से प्रगति जारी रखेगा।

बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बोलते हुए राव ने वादा किया कि अगर बीआरएस विधानसभा चुनावों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए चुनी जाती है, तो होने वाली पहली कैबिनेट बैठक में हैदराबाद में पाटनचेरु से हयातनगर तक मेट्रो रेल कनेक्शन को मंजूरी दी जाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने जिले के कोंडाकल में निजी क्षेत्र की एक रेल कोच फैक्ट्री का उद्घाटन किया।

शांति का कोई भी प्रयास दिल्ली में नहीं मणिपुर में होना चाहिए : के.सी. वेणुगोपाल

नई दिल्ली, 22 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस ने मणिपुर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक को लेकर गुरुवार को कहा कि शांति का कोई भी प्रयास प्रदेश में ही होना चाहिए और दिल्ली में बैठक करने से गंभीरता का अभाव नजर आएगा।

पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि मणिपुर में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार का अब तक बने रहना और प्रदेश में राष्ट्रपति शासन का लागू नहीं किया जाना एक मजाक है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए 24 जून को नयी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, मणिपुर में 50 दिनों की तबाही और मौतों के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बहुत देर से सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मणिपुर के लोगों को सोनिया गांधी जी द्वारा संबोधित किए जाने के बाद सरकार जागी है।

सोनिया ने बुधवार को वीडियो संदेश जारी कर मणिपुर में शांति और सौहार्द की अपील की थी।

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस तरह की महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित होने का मतलब यह है कि वह विफलताओं का सामना नहीं करना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जब कई प्रतिनिधिमंडलों ने प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा, तो उन्होंने समय नहीं दिया।

वेणुगोपाल ने कहा, गृह मंत्री ने खुद मणिपुर का दौरा कर हालात का जायजा लिया था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। असलियत यह है कि उनके दौरे के बाद स्थिति और खराब हो गई। उनके तहत हम सही मायनों में शांति की उम्मीद कर सकते हैं?

कांग्रेस महासचिव ने कहा, मणिपुर में राज्य सरकार का बने रहना और राष्ट्रपति शासन नहीं लागू करना एक मजाक है।

उन्होंने कहा, शांति का कोई भी प्रयास मणिपुर में ही होना चाहिए, जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न समुदाय के लोगों को बातचीत की मेज पर लाना होगा और राजनीतिक समाधान निकालना होगा। अगर बैठक दिल्ली में होगी, तो प्रयास में गंभीरता का अभाव नजर आएगा।

वेणुगोपाल के मुताबिक, पूरा देश केंद्र सरकार से गंभीर हस्तक्षेप की आशा करता है, जो अब तक नजर नहीं आया है।

मालूम हो कि मेइती समुदाय की ओर से अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसक झड़पें हुई हैं। हिंसा में अब तक करीब 120 लोगों की जान गई है और 3,000 से अधिक घायल हुए हैं।

पटना में विपक्षी दलों की मीटिंग पर मायावती ने कसा तंज, कहा- 'मुंह में राम, बगल में छुरी' कब तक?

लखनऊ, 22 जून (एजेन्सी)। बिहार की राजधानी पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की बैठक होने वाली है। विपक्ष की इस बैठक को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने तंज कसा है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी पार्टियां जिन मुद्दों को उठा रही हैं और ऐसे में नीतीश कुमार 23 जून की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक 'दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए' की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करता है। बसपा मुखिया मायावती ने गुरुवार को ट्वीट के माध्यम से लिखा कि लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल, जिन मुद्दों को उठा रहे हैं, बिहार में बैठक कर रहे हैं। ये 'दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए' की कहावत को चरितार्थ करता है।

उन्होंने आगे लिखा, वैसे अगले चुनाव की तैयारी को ध्यान में रखते हुए तैयारियों से पहले ये पार्टियां आम लोगों के बीच भरोसा बनाए, तो बेहतर होता। इन्हें अपने गिरेबान में झांककर नीयत को थोड़ा पाक-साफ कर लेना चाहिए। 'मुंह में राम, बगल में छुरी' आखिर कब तक चलेगी?

मायावती ने कहा, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, अशिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक हिंसा आदि से ग्रस्त देश में बहुजन के त्रस्त हालात हैं। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस, बीजेपी जैसी पार्टियों के पास भीमराव अंबेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता नहीं है।

उन्होंने कहा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी कहलाती है, किन्तु विपक्षी पार्टियों के रवैये से ऐसा नहीं लगता है कि वे यहां अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर व सही मायने में चिंतित हैं। बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यहां लोकसभा चुनाव की तैयारी क्या वाकई जरूरी बदलाव ला पाएगी?

गौरतलब हो कि नीतीश कुमार की अगुआई में 23 जून को पटना में गैर-भाजपा 17 राजनीतिक दलों की बैठक होने जा रही है। जहां पर 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर साझा रणनीति बनाने पर चर्चा होगी। इस बैठक का लक्ष्य है- किस तरीके से 2024 में भाजपा के विजय रथ को रोका जाए। पिछले दो माह से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए नेताओं के साथ मुलाकात कर रहे हैं। इस बैठक में कांग्रेस की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के ही पूर्व सांसद राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शरद पवार के शामिल होने की संभावना है।

सुनवाई कवर करते समय जिम्मेदार पत्रकारिता आचरण अपनाएं : केरल हाईकोर्ट

कोच्चि, 22 जून (एजेंसी)। अदालती मामलों की रिपोर्टिंग को लेकर केरल हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को मीडिया से अदालती मामलों की रिपोर्टिंग करते समय जिम्मेदार पत्रकारिता आचरण अपनाने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि सुनवाई के दौरान अक्सर न्यायाधीश द्वारा की गई मौखिक टिप्पणियों के आधार पर अनुचित मीडिया रिपोर्ट वादी की गरिमा और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति मोहम्मद नियास सीपी की पीठ का यह सुझाव मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के निजी सचिव की पत्नी प्रिया वर्गीज की कन्नूर विश्वविद्यालय में मलयालम की सहायक प्रोफेसर के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति से संबंधित मुकदमे पर मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के मद्देनजर आया है।

पीठ ने कहा कि अक्सर ऐसे मौके आते हैं जब शैक्षणिक मामलों में कोई फैसला किसी न किसी कारण से मीडिया का ध्यान आकर्षित करता है। ऐसी परिस्थितियों में, अदालत को लगातार अखबार, चैनल चर्चाओं और भारी सोशल मीडिया पोस्ट पर होने वाली टीका टिप्पणियों से भी निपटना पड़ता है। पीठ ने कहा कि यही कारण है कि अदालतों ने बार-बार प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अदालत के समक्ष लंबित मामलों पर चर्चा को स्थगित करके संयम बरतने के लिए प्रोत्साहित किया है।

पीठ ने आगे कहा कि किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार में राज्य की मनमानी कार्रवाई के साथ-साथ प्रेस या मीडिया सहित अन्य निजी नागरिकों के कार्यों से अपनी प्रतिष्ठा की सुरक्षा का अधिकार भी शामिल है। इसलिए, हमें भरोसा है कि मीडिया इन टिप्पणियों पर ध्यान देगा और जिम्मेदार पत्रकारिता आचरण का एक कोड अपनाएगा जो आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति मोहम्मद नियास सीपी की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश द्वारा पिछले साल 17 नवंबर को जारी आदेश के खिलाफ दायर प्रिया वर्गीज की याचिका को स्वीकार कर लिया और पीठ ने एकल न्यायाधीश के फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि उनके पास इस पद के लिए प्रासंगिक अनुभव है और उस पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर तदनुसार विचार किया जाएगा।

जल रहा है मणिपुर मगर पीएम मौन : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मणिपुर के मामले पर सर्वदलीय बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में नहीं हैं जिससे स्पष्ट है कि उनके लिए यह बैठक महत्वपूर्ण नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए 24 जून को नयी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, मणिपुर 50 दिनों से जल रहा है, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई गई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं। साफ है, प्रधानमंत्री के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अमेरिका की राजकीय यात्रा पर हैं। वह स्वदेश लौटने से पहले मिस्र का भी दौरा करेंगे।

आईआईटी खड़गपुर में रहस्यमयी तरीके से छात्र की मौत, पुलिस कर रही जांच

कोलकाता, 22 जून (एजेंसी)। आईआईटी खड़गपुर में एक और छात्र की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही आईआईटी में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सूर्या दीपन (22) के रूप में हुई है। वह इंटर्नशिप कर रहा था। सूर्या केरल के तिरुवनंतपुरम का रहने वाला था।

जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात सूर्या का शव आरके हॉल से बरामद किया गया। पुलिस को सूचना दी गई। खड़गपुर टाउन की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। हालांकि, मौत का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने बताया कि छात्र की मौत हृदय गति रुकने से हुई है। छात्र की मौत के संबंध में अभी तक आईआईटी खड़गपुर के किसी अधिकारी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी 14 अक्टूबर को आईआईटी खड़गपुर के लाला लाजपत रॉय हॉल के एक कमरे से छात्र फैजान अहमद का शव बरामद हुआ था। हालांकि पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट में इसे आत्महत्या बताया गया था। इसके खिलाफ फैजान के माता-पिता कलकत्ता हाईकोर्ट गए। कोर्ट ने दोबारा पोस्ट मार्टम के निर्देश दिए और कोर्ट ने इसे हत्या मानते हुए धारा 302 जोड़ने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने फैजान की हत्या मामले में एसआईटी गठित की है।

विपक्षी एकता की मुहिम को फिर लगा झटका, जयंत चौधरी नहीं जाएंगे पटना

लखनऊ, 22 जून (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एक करने की मुहिम को एक बार फिर झटका लगा है।

अब रालोद के मुखिया जयंत चौधरी ने पटना में होने वाली मीटिंग में शामिल होने पर असमर्थता जताई है। हालांकि, उन्होंने पत्र लिखकर समर्थन जताया है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित पारिवारिक कार्यक्रम के चलते वह बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। दरअसल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 जून को पटना में गैर भाजपा दलों की बैठक बुलाई है।

इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और कई वाम दलों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। मगर इस बीच राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया जयंत चौधरी ने खुद को इस बैठक से अलग कर लिया है।

उन्होंने पारिवारिक कार्यक्रम का हवाला देकर बैठक में न जाने की बात कही है।

रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने एक पत्र जारी कर लिखा कि आगामी 23 जून 2003 को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में अपने पूर्व निर्धारित पारिवारिक कार्यक्रम के चलते में भाग न ले सकूंगा।

उन्होंने आगे कहा, 'आज देश में अधिनायकवादी और साम्प्रदायिक शक्ति जिस तरह लोकतंत्र तथा सामाजिक समरसता के लिए खतरा पैदा कर रही हैं, उसे देखते हुए समानधर्मा विपक्षी दलों का एकजुट होना समय की मांग है। देश की अहम समस्याओं और चुनौतियों पर संवाद कर समूचा विपक्ष जनता के सामने एक दूरगामी, व्यावहारिक योजना प्रस्तुत कर सकता है।

ऐसे हम मिलकर युवा, महिलाएं, किसान और वंचित समाज की आकांक्षाओं और विश्वास के साथ देश में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। मुझे विश्वास है कि यह बैठक विपक्षी एकता की राह में एक महत्वपूर्ण पद सिद्ध होगी। उद्देश्य की सफलता के लिए शुभकामनाएं।'

पटना में हो रही विपक्षी दलों की बैठक पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के लिए लगातार कोशिशें कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में जो भी दल प्रभावी है सभी मिलकर उसका साथ दें।

मुठभेड़ में 2 जवान घायल, मोर्टार बम बरामद

इंफाल, 22 जून (एजेंसी)। इंफाल में सशस्त्र हमलावरों के साथ मुठभेड़ के दौरान दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए, जबकि सुरक्षा बलों ने गुरुवार को मणिपुर में तलाशी अभियान के दौरान एक अत्यधिक विस्फोटक मोर्टार बम और एक इंसास लाइट मशीन गन बरामद की। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

रक्षा पीआरओ ने कहा कि हमलावरों ने इंफाल-पश्चिम जिले के बोलजांग में अकारण गोलीबारी की, जिससे सैनिकों को किसी भी तरह की क्षति से बचने के लिए एक संतुलित प्रतिक्रिया के लिए मजबूर होना पड़ा। दो जवानों को मामूली चोटें आईं, दोनों की हालत अब स्थिर है।

पीआरओ ने कहा कि सेना की अतिरिक्त टुकड़ियां शामिल की गई हैं और ऑपरेशन जारी है।

एक अन्य तलाशी अभियान में असम राइफल्स के जवानों ने गुरुवार को इंफाल पूर्वी जिले में एक मोर्टार बम बरामद किया।

पीआरओ ने कहा कि ऑपरेशन मोंगजम तलहटी में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस कमांडो द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया था।

बुधवार रात बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा में एक वाहन में रखे गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में विस्फोट होने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों को बिष्णुपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इसके अलावा बुधवार को सुरक्षा बलों ने इम्फाल पश्चिम जिले के लीमाखोंग इलाके में कथित तौर पर आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए एक बंकर को नष्ट कर दिया।

इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में दो स्थानों से प्रतिद्वंद्वी आतंकवादी संगठनों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी की भी सूचना मिली। हालांकि, गोलीबारी की इन घटनाओं में किसी की मौत या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

इस बीच, सेना, असम राइफल्स और कई अन्य केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बल राज्य के विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं।

कोविन डेटा लीक मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, कोविन पोर्टल से कथित डेटा लीक के मामले में बिहार से एक व्यक्ति और एक किशोर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि कोविन पोर्टल कोविड-19 टीकाकरण पंजीकरण के लिए केंद्र का आधिकारिक मंच है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वयस्क व्यक्ति, जिसकी पहचान आगे की जांच तक गुप्त रखी गई है। इस पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम के जरिए डेटा लीक करने का आरोप है।

सूत्रों से पता चला है कि व्यक्ति की उम्र लगभग 20 वर्ष के आसपास होगी। ऐसा संदेह है कि इसने कोविन पोर्टल पर पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की जानकारी टेलीग्राम के जरिए लीक की। बता दें कि इस पोर्टल में इसमें व्यक्तिगत विवरण के साथ टीकाकरण की भी सारी डिटेल मौजूद होती है।

आरोपी व्यक्ति की मां बिहार में स्वास्थ्यकर्मी के रूप में काम करती है। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे है कि कहीं इससे तो इसके तार नहीं जुड़े हैं। पुलिस ने इस बात का अभी तक कोई खुलासा नहीं किया है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कोविड-19 वैक्सीन लाभार्थियों के डेटा को लेकर इसे पूरी तरह से सुरक्षित बताया था।

वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर कुछ पोस्ट में दावा किया गया है कि 'टेलीग्राम (ऑनलाइन मैसेंजर एप्लिकेशन) बोओटी' का उपयोग करके, जिन व्यक्तियों को टीका लगाया गया है, उनका व्यक्तिगत डेटा लीक किया जा रहा है। यह बताया गया कि बीओटी में लाभार्थी के मोबाइल नंबर या आधार नंबर को डालकर ही डेटा लीक किया जा सकता है।

मंत्रालय ने यह भी कहा था कि कोविन पोर्टल पर वेब एप्लिकेशन फायरवॉल, एंटी-डीडीओएस, एसएसएल/टीएलएस, नियमित भेद्यता मूल्यांकन, पहचान को लेकर तमाम सुरक्षा उपाय मौजूद हैं।

पवन चामलिंग ने फूंका ......

अलावा उन्होंने कहा कि एसडीएफ सरकार राज्य में यूनिवर्सल बेसिक इनकम पॉलिसी लागू करने की योजना भी बना रही है। उन्होंने कहा कि एसडीएफ सरकार के 25 वर्षों के दौरान सिक्किम में जो भी अच्छे काम हुए हैं, वे संपूर्ण क्रांति का परिणाम हैं। उनके अनुसार, भविष्य की एसडीएफ पार्टी वरिष्ठ एवं अनुभवी लोगों की बुद्धिमत्ता और युवाओं के जुनून से चलेगी। इसके अलावा आज के कार्यक्रम में एसडीएफ पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 371एफ को दोबारा लागू करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया।

दार्जिलिंग के घूम ....

है। यदि ऐसा नहीं है तो उसे इसे संज्ञान में लेते हुए उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

इसके साथ ही सीएपीएस चालक परिषद ने राज्य सरकार से मामले में दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की है।

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना .....

कलेक्टर अभिजीत पाटिल के साथ मिलकर किया। इसके सफल आयोजन हेतु गंगटोक डीएसी ने पर्यटन व संस्कृति विभाग, युवा व खेल मामलों के विभाग, सुगलाखांग मठ, राजभवन और ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ सिक्किम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

डिजिटल दुनिया का ....

65 फीसदी हिस्सा युवाओं का है, इसलिए उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करना और उन्हें न केवल सिक्किम में बल्कि पूरी दुनिया में बदलाव के साथ चलने में सक्षम बनाना जरूरी है। उन्होंने वित्तीय शिक्षा पर आज के कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमारे युवा दिमागों को ठोस वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करेगा। ऐसा कर हम अपने युवाओं और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य में निवेश करते हैं।

कार्यक्रम में सिक्किम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव रवींद्र तेलंग ने भी अपना संबोधन रखा। स्वागत भाषण भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक किशोर परियार ने दिया। उल्लेखनीय है कि ची-20 अध्यक्षता के तहत आयोजित की रही इन प्रतियोगिताओं की कड़ी में जिला एवं राज्य स्तर के बाद अब देश की राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता आयोजित होगी।

Office of the Divisional Engineer
Government of Sikkim

Social Welfare Department

5th Mile Lumsey

CORRIGENDUM

With Reference to the **NIT No. 65/GOS/404/SWD/EC/2023-24 Dated: 19.06.2023,** regarding the tender for the work, **"Construction of 50-bedded Girls Hostel at ITI Chadey, Mangshilla in North Sikkim".** The GPU/Ward for the tender at **column no 7** may be changed as **Upper Jhusing Ward, Mangshilla-Tibuk GPU, Mangan District instead of Upper Ralak Ward, Tibuk-Mangshilla GPU, Mangan District.** Other information in the NIT remains the same.

Incovenience is highly regretted.

Sd/-
Divisional Engineer (Mangan)
Social Welfare Department

R.O. No.: 69/IPR/PUB/Classi/2324, DT.: 22.06.2023

Government of Sikkim

Social Welfare Department

Samaj Kalyan Bhawan, Tadong, Lumsey

NOTICE INVITING TENDER

Memo No. 65/GOS/404/SWD/EC/2023-24 **Dated: 19.06.2023**

For and behalf o the Governor of Sikkim, The Divisional Engineer, (Mangan), Social Welfare Department, Government of Sikkim, Samaj Kalyan Bhawan, Lumsey, Tadong, East District, invites sealed tender in percentage Rate basis from the eligible contractors of appropriate class vide **Notification No.** 584/R&B/PWD/Secy. Dated 08.10.2018 **vide Notification No.** 515/R&B/PWD/Secy. Dated 12.06.2018 **Notification No.** 104/R&B Dated 08.10.2020 for the work(s) listed under:-

Sl. No.	Name of Work	Value put to Tender (in ₹)	Completion Time (in months)	Amount of Earnest Money @ 2.5% for issue of tender form	Amount of Bank receipt for cost of tender document (₹)	Constituency/ GPU/Ward :
1	2	3	4	5	6	7
1	CONSTRUCTION OF 50-BEDDED GIRLS HOSTEL AT ITI CHADEY, MANGSHILLA IN NORTH SIKKIM	1,07,32,743.00	18 Months	2,68,319.00	30,000.00	Upper Ralak Ward, Tibuk-Mangshilla GPU, Mangan District

Time Schedule is as follows:-

1. Date for submission of application will Bank Receipt — -19th June – 5th July 2023 (10.00 am to 4.30 pm) for issue of Tender Documents (Excluding the Tender form)
2. Last date for issue of tender form — -17th July 2023 (11.00 hrs. to 13.00 hrs.)
3. Date and Time for submission of Tender — -19th July 2023 (10.00 hrs. to 13.00 hrs.)
4. Date and Time of opening of Tender — -19th July 2023 (13.30 hrs. to 16.30 hrs.), in the Upper Ralak Ward, Tibuk- Mangshilla GPU.

Note: The terms and conditions (from Sl. No. 1 to 21) as laid by the PWD code and manual will be applicable.

Sd/-
Divisional Engineer(Mangan)
Social Welfare Department

R.O. No.: 66/IPR/PUB/Classi/2324, DT.: 19.06.2023

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR MAHANADI THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:22/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 58L 34888
Cons. Prize ₹1000/- 34888 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02602 08036 40441 65655 70188 74689 80565 81106 84351 91619
3rd Prize ₹450/-
0297 2628 3115 3494 4740 4800 7346 8443 8534 9272
4th Prize ₹250/-
2289 3518 4165 5967 6120 7143 8264 8448 8698 8717
5th Prize ₹120/-
0029 0146 0168 0204 0282 0446 0552 0564 0605 0765
0890 0954 0962 1024 1100 1156 1197 1237 1318 1322
1365 1665 1702 2034 2085 2192 2354 2559 2785 2794
2927 3075 3238 3329 3415 3496 3540 3660 3679 3689
3749 3753 3841 4036 4129 4430 4781 4956 4993 5202
5244 5248 5287 5685 5738 5823 5905 5963 6041 6061
6175 6188 6432 6626 6628 6729 6823 7003 7024 7076
7082 7149 7438 7571 7662 7729 7732 7787 7829 7830
8053 8085 8300 8345 8388 8440 9074 9167 9200 9231
9245 9314 9334 9367 9481 9655 9692 9768 9907 9945
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAKE THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:22/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 95K 09874
Cons. Prize ₹1000/- 09874 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
03000 22665 44733 51554 60637 65346 68472 80637 87592 90485
3rd Prize ₹450/-
4345 5395 6069 6253 7149 7209 7764 8068 8586 8865
4th Prize ₹250/-
4519 5182 6424 7309 7361 8024 8178 8485 9272 9619
5th Prize ₹120/-
0011 0015 0027 0046 0147 0178 0325 0344 0378 0440
0532 0666 0680 0847 1007 1076 1093 1192 1343 1580
1628 1784 1940 1969 2019 2046 2145 2165 2246 2332
2464 2795 2887 2897 2944 3074 3128 3183 3204 3313
3634 3677 3986 4045 4050 4193 4279 4295 4318 4367
4625 4641 4877 4977 5012 5159 5333 5448 5520 5609
5726 5963 6001 6063 6197 6199 6246 6261 6612 7240
7373 7525 7533 7546 7677 7840 7978 8127 8137 8391
8432 8449 8452 8549 8576 8582 8782 8882 8999 9001
9178 9274 9344 9454 9470 9573 9620 9702 9868 9973
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR SANDPIPER THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:22/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 85E 06139
Cons. Prize ₹1000/- 06139 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
22889 24997 35321 36634 41782 46963 61356 75974 80015 95114
3rd Prize ₹450/-
0925 4205 4671 5251 5920 6915 7007 7597 7756 9921
4th Prize ₹250/-
0653 1317 2279 4226 4512 5824 6269 7993 8193 9284
5th Prize ₹120/-
0029 0056 0335 0508 0606 0720 0735 0916 0963 1102
1109 1110 1293 1325 1371 1376 1389 1591 1602 1643
1887 1890 1959 1962 2072 2113 2200 2343 2540 2572
2591 2604 2699 2740 2831 2905 3032 3267 3303 3728
3875 3928 4025 4114 4140 4380 4450 4516 4820 4940
5042 5069 5207 5254 5266 5442 5914 6055 6095 6375
6473 6494 6602 6677 6783 6852 7006 7042 7169 7474
7552 7658 7796 7815 8009 8013 8116 8160 8472 8485
8487 8557 8560 8642 8690 8721 8858 9030 9162 9257
9317 9343 9483 9580 9735 9772 9775 9827 9946 9975
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

कड़े कदम जरूरी

मणिपुर हाईकोर्ट ने 27 मार्च को दिए अपने फैसले पर पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर ली है और इस संबंध में केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। इस घटनाक्रम की अहमियत इस मायने में है कि हाईकोर्ट के 27 मार्च को दिए गए इस फैसले के बाद से ही राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच तनाव का मौजूदा दौर शुरू हुआ जो देखते देखते भीषण हिंसा का गवाह बन गया। इस फैसले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह मैतेई समुदाय को एसटी स्टेटस देने की सिफारिश करे। ऐसे में इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका का स्वीकृत होना स्वाभाविक ही सबका ध्यान खींच रहा है। मगर याद रखना चाहिए कि यह किसी सरकार का अपने किसी फैसले पर दोबारा विचार के लिए तैयार होने का मामला नहीं है। चूंकि हाईकोर्ट ही अपने फैसले की समीक्षा कर रहा है इसलिए उसकी कसौटी न्याय भावना और संविधान, कानून, परंपराएं तथा उनकी व्याख्या ही होगी। फिर भी, हाईकोर्ट ने 27 मार्च के फैसले पर दोबारा विचार की प्रक्रिया शुरू कर दी है, यह सूचना मौजूदा हालात में कम महत्वपूर्ण नहीं। एक तो इससे 27 मार्च के फैसले पर तत्काल अमल की अनिवार्यता टल गई है और दूसरे इससे यह संकेत भी मिला है कि न्यायपालिका के रवैये में खुलापन है, वह इस संबंध में किसी खास रुख को लेकर अड़ी हुई नहीं है। मौजूदा हालात में जब राज्य के मैतेई और कुकी आदि समूहों में खूनी टकराव की स्थिति बनी हुई है, यह पॉजिटिव संकेत काफी उपयोगी हो सकता है। इसके जरिए विभिन्न तबकों के बीच बढ़ गई दूरी को कम करने की कोशिश की जा सकती है। लेकिन राज्य में फिलहाल सबसे बड़ा संकट ही यही है कि कोई ऐसी संस्था नहीं नजर आती जो समूची आबादी में विश्वास जगा सके। विभिन्न जाति समूहों से जुडे संगठनों की बात तो दूर रही, सुरक्षा बलों, कानून व्यवस्था की एजेंसियों और यहां तक कि सरकार की भूमिका को लेकर भी लोगों की राय बंटी हुई दिख रही है। खुद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनकी सरकार भी सवालों के घेरे में हैं। आलम यह है कि बीजेपी के विधायकों की ओर से भी इस सरकार पर न केवल पक्षपात के आरोप लगाए जा रहे हैं बल्कि इसे हटाने की भी जरूरत बताई जा रही है। हालांकि राज्य में अभी जिस तरह का तनाव भरा माहौल है उसमें कभी-कभी सरकार की निष्पक्ष कार्रवाई भी पक्षपातपूर्ण मान ली जाती है। लेकिन आज जब इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में पहली जरूरत शांति कायम करने की है तो सही हो या गलत आम धारणा को ज्यादा समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार को समझना चाहिए कि उसे सख्त फैसले लेने होंगे, इससे पहले कि उनकी भी सार्थकता समाप्त होने लगे।

क्यों मोबाइल फोन के क्षेत्र में भारत की प्रगति मैन्यूफैक्चरिंग की दृष्टि से एक बड़ी सफलता है!

राजेश कुमार सिंह एवं कुमार वी. प्रताप

हाल में अखबारों में छपे कई लेखों ने इस आशय की एक धारणा बनाने की कोशिश की है कि भारत में कम मूल्यवर्धन के कारण मोबाइल फोन के निर्यात को बढ़ावा देने में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की भूमिका संदिग्ध रही है।

इस तरह की आलोचना में निम्नलिखित प्रमुख तत्व शामिल होते हैं: - केवल सीमा शुल्क की ऊंची दर लागू करने के कारण ही मोबाइल का शुद्ध आयात सकारात्मक हो गया है; पीएलआई योजना के तहत किए जाने वाले प्रोत्साहन का भुगतान भारत में होने वाले मूल्य वर्धन से अधिक हो सकता है; पीएलआई योजना की घोषणा के बाद से भारत आयात पर निर्भर हो गया है और इस बात का नए सिरे से मूल्यांकन करने की जरूरत है कि पीएलआई योजनाओं के तहत नौकरियां सृजित की गई हैं या नहीं और ऐसी नौकरियों के लिए संबद्ध लागत क्या रहीं हैं। तर्क के ये बिंदु काफी हद तक गलत हैं, जैसाकि निम्नलिखित विस्तृत व्याख्या से स्पष्ट है:

सीमा शुल्क नीति में बदलाव उत्पादन और निर्यात संबंधी घरेलू क्षमताओं को बढ़ाने की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्ष 2015 की तुलना में, अब भारत में उपयोग किए जा रहे 99.2 प्रतिशत मोबाइल हैंडसेट भारत में ही निर्मित हैं।

पीएलआई के तहत प्रोत्साहन छह प्रतिशत भी नहीं है (यह चरणबद्ध तरीके से दो प्रतिशत से भी कम हो जाएगा) और यह केवल वृद्धिशील उत्पादन पर लागू है। पीएलआई योजना के लाभार्थियों की बाजार हिस्सेदारी जहां मात्र 20 प्रतिशत थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान मोबाइल फोन के निर्यात में उनकी भागीदारी 82 प्रतिशत थी। विश्लेषणों से यह पता चलता है कि मॉडल और जटिलता के आधार पर मोबाइल में घरेलू मूल्यवर्धन 14-25 प्रतिशत के बीच है। चार्जर, बैटरी पैक, हेडसेट, मैकेनिक्स, कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले असेंबली से जुड़ी सब-असेंबली एवं आपूर्ति श्रृंखला के मामले में ठोस विकास देखा जा रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भारत में स्थानांतरित किए जाने के अलावा पश्चिमी यूरोप, अमेरिका और विकसित एशिया सहित निर्यात के लिए नए बाजारों का समावेश किया गया है। घटकों से जुड़े इकोसिस्टम में भी सकरात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इस इकोसिस्टम में टाटा जैसी बड़ी भारतीय कंपनियां प्रवेश कर चुकी हैं और इस प्रकार, इस तरह के नीतिगत हस्तक्षेप से पैदा होने वाली बाह्यताएं महत्वपूर्ण हो गई हैं।

हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि पीएलआई योजना के अभाव में मोबाइल एवं उसके घटकों के आयात का क्या हश्र हुआ होता और जैसाकि अन्य देशों के अनुभवों से स्पष्ट है, इनकी आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने में कितना समय लगा होता। चीन ने 25 वर्षों में 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तैयार किया है, लेकिन अभी भी उसके पास सेमीकंडक्टर्स, मेमोरी और ओएलईडी डिस्प्ले जैसे स्मार्टफोन के प्रमुख घटकों के निर्माण की क्षमता का अभाव है। ये घटक मिलकर स्मार्टफोन के मूल्य का 45 प्रतिशत होते हैं। वर्ष 2022 में चीन का इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 650 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। कुल 15 वर्षों के बाद, वियतनाम के पास 18 प्रतिशत मूल्यवर्धन के साथ 140 बिलियन अमेरिकी डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग है। इन दोनों देशों के अनुभव घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ाने के लिए पैमाने के महत्व को रेखांकित करते हैं। विशेष रूप से निर्यात के संदर्भ में। कई आलोचनात्मक रिपोर्टें नीतिगत हस्तक्षेप की एक ठहरी हुई तस्वीर पेश करती हैं, जबकि इसका परिप्रेक्ष्य बहुआयामी होना चाहिए।

किसी को भी इस तथ्य की सराहना करनी चाहिए कि इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के एक मजबूत इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के क्रम में, उत्पादन प्रक्रिया के विभिन्न तत्व स्थानीयकरण के विभिन्न चरणों में हैं। प्रारंभिक ध्यान जहां भारत में बड़े पैमाने पर मोबाइल फोन की असेंबली को आकर्षित करने पर रहा है, वहीं अगला चरण घटकों के स्थानीयकरण के साथ उत्पादन मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में होगा। अधिकांश आलोचनात्मक रिपोर्टों में इस प्रगतिशील बदलाव की सूक्ष्म समझ नहीं दिखाई दे रही है।

भारत सरकार ने भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम) के वैश्विक केन्द्र के रूप में स्थापित करने हेतु एक इकोसिस्टम वाला दृष्टिकोण अपनाया है। वर्ष 2014-15 के दौरान, न्यूनतम मूल्यवर्धन एवं उच्च आयात निर्भरता के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 37 बिलियन अमेरिकी डालर का था। पिछले नौ वर्षों में, भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति की है जो 2022-23 में (उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार) लगभग तीन गुना बढ़कर 101 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, निर्यात चार गुना बढ़कर 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है और मूल्यवर्धन बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया है। वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 2012 के 1.3 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021-22 में 3.75 प्रतिशत हो गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के शुभारंभ के परिणामस्वरूप, भारत संख्या के मामले में दुनिया में मोबाइल फोन के दूसरे सबसे बड़े निर्माता के रूप में उभरा। मोबाइल फोन का उत्पादन वित्तीय वर्ष 2014-15 में 60 मिलियन से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 320 मिलियन हो गया। वर्ष 2014 में दुनिया का कुल तीन प्रतिशत मोबाइल हैंडसेट निर्माण करने से लेकर इस साल भारत अनुमानित रूप से दुनिया के कुल 19 प्रतिशत मोबाइल हैंडसेट का निर्माण करेगा। मूल्य की दृष्टि से मोबाइल फोन का उत्पादन वित्तीय वर्ष 2014-15 में 190 बिलियन रुपये से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 3.5 ट्रिलियन रुपये का हो गया है। 101 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में, स्मार्टफोन का उत्पादन 44 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का है और उसका निर्यात 11.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का है। इस तथ्य को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि भारत में मोबाइल का उत्पादन मजबूत होने के साथ-साथ व्यापक होता जा रहा है, जिसमें घरेलू मूल्यवर्धन, रोजगार और आय में वृद्धि शामिल है।

एलएसईएम के लिए पीएलआई योजना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत तक 65.62 बिलियन रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे कुल 2.84 ट्रिलियन रुपये मूल्य का उत्पादन हुआ है। इसमें 1.29 ट्रिलियन रुपये का निर्यात शामिल है और 100,000 से अधिक का प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 2,50,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुआ है। सभी नई सृजित नौकरियों में महिला रोजगार की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है, जो भारत में औपचारिक क्षेत्र के रोजगार में लैंगिक संतुलन को ठीक रखने में मदद करेगा। वर्ष 2014 के बाद से, इस क्षेत्र में एक मिलियन से अधिक नौकरियों का समावेश किया गया है।

एप्पल के अपने सबसे उन्नत मॉडलों के निर्माण सहित भारत में आईफोन के अपने उत्पादन का विस्तार करने के फैसले के साथ भारत ने इस क्षेत्र में एक आकस्मिक प्रगति की है। अनुमान है कि 2025 तक कुल एप्पल आईफोन का एक चौथाई हिस्सा भारत में निर्मित होगा।

निष्कर्ष के तौर पर, पीएलआई योजनाओं की सफलता को रोजगार सृजन, मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि, निर्यात में वृद्धि और निर्यात के क्षेत्र में होने वाले विविधीकरण के साथ-साथ उल्लेखनीय मूल्यवर्धन और कई पीएलआई उत्पादों, विशेष रूप से मोबाइल फोन के क्षेत्र में बढ़ती स्थानीय मूल्य श्रृंखला के निर्माण के रूप में इसके योगदान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

(लेखक भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव और इसी विभाग के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार हैं)

विपक्ष के सामने मोदी-योगी चुनौती

मधुकर रंजन

लोकतंत्र में चुनाव किसी त्योहार से कम नहीं होते। आजादी के बाद के बीते सात दशकों में भारत के लोग पूरे उत्साह और उमंग से यह त्योहार मनाते आए हैं।

खासकर, देश की सबसे बड़ी पंचायत, लोक सभा के गठन के लिए होने वाले चुनाव हमेशा से न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के आकषर्ण और उत्सुकता के सबब बनते हैं। इस दृष्टि से देखें तो संकेत मिल रहे हैं कि साल, 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव बेहद दिलचस्प होंगे।

यह बात पूरी तरह सही और तार्किक है कि हर चुनाव का अपना अलग गणित, अलग मुद्दे और अलग मिजाज होता है। जाहिर तौर पर अगले आम चुनाव का भी अपना खास सियासी अंदाज और मिजाज होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां भाजपा और उसके सहयोगी दलों के लिए यह सियासी हैट्रिक लगाने का शानदार अवसर है, तो कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के लिए सियासी महासमर उनके अस्तित्व की लड़ाई है। उनके लिए करो या मरो वाली स्थिति है। विपक्षी खेमे से यह आवाज बार-बार सुनी जा रही है कि यदि इस बार भाजपा को सत्ता में आने से नहीं रोका गया, तो विपक्ष के लिए आने वाले दिन बेहद मुश्किल वाले साबित होंगे। यही वजह है कि अपने तमाम आपसी विरोधों को दरकिनार कर करीब डेढ़ दर्जन विपक्षी पार्टियों के नेता इसी महीने पटना में जुट रहे हैं। इस महाजुटान के सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जो खुद भी भाजपा के साथ सूबे में अपनी सरकारें चलाते रहे हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से भाजपा से उनका मोहभंग कुछ ज्यादा ही हो गया है। विपक्ष की इस बैठक को लेकर कहा जा रहा है कि लोक सभा की सभी 543 सीटों में से कम से कम 400 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार के समक्ष विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारा जाए। कोशिश यह भी है कि विपक्ष के एका का दायरा और बढ़ाया जाए और ज्यादा से ज्यादा सीटों पर भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाए। विपक्ष की एकता की यह मुहिम रंग लाएगी भी कि नहीं , इसको लेकर फौरी निष्कर्ष पर पहुंचना न तो आसान है, और न ही मुनासिब। वैसे बीते एक दशक में भारतीय राजनीति पर केसरिया रंग छाने के बीच विपक्ष की ऐसी कोई भी कोशिश बहुत कामयाब नहीं रही है।

अलबत्ता, इस बार हालात जरूर कुछ बदले हुए हैं। विपक्ष द्वारा की जा रही इस बार की चुनावी तैयारी का मूल आधार यह है कि पिछले लोक सभा चुनाव में भाजपा ने महज 43 फीसदी वोट पाकर लोक सभा की 300 से ज्यादा सीटों पर कब्जा जमा लिया, जबकि 57 प्रतिशत वोट उसके खिलाफ पड़े थे। विपक्षी रणनीतिकारों का मानना है कि विरोधी मतों को इकट्ठा कर दिया जाए तो भाजपा को परास्त करना आसान हो जाएगा। लेकिन विपक्षी एकता की राह में सबसे बड़ी चुनौती के रूप में देश की संसद में सबसे ज्यादा लोक सभा सांसद भेजने वाला प्रदेश उत्तर प्रदेश और इसके मुखिया योगी आदित्यनाथ खड़े हैं। उत्तर प्रदेश की कुल 80 सीटों में से भाजपा ने पिछली दफा 64 सीटें जीती थीं लेकिन उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में योगी ने जिस प्रकार शानदार जीत दर्ज की और उसके बाद चाहे प्रदेश में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरु स्त करने का मामला हो, माफिया के सफाए की हकीकत हो या प्रदेश की खुशहाली के लिए बड़े पैमाने पर देशी-विदेशी निवेशकों को जुटाने की बात हो, योगी ने बड़ी लकीर खींचने का काम किया है।

दूसरी ओर, प्रदेश में विपक्ष बुरी तरह बिखरा हुआ है। कांग्रेस का लगभग सफाया हो चुका है, तो पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बसपा का अपनी ढपली और अपना राग वाली स्थिति है। यदि विपक्षी एकता के नाम पर यहां पर कांग्रेस समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू बनना स्वीकार भी कर लेती है, तो भी बसपा के साथ आए बगैर यह एका मुकम्मल साबित नहीं हो सकता। जयंत चौधरी की अगुआई में राष्ट्रीय लोकदल की पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौजूदगी जरूर है और जाहिर है कि वह भी विपक्ष की नाव में सवार होंगे लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में उनके ही गढ़ में भाजपा ने जिस प्रकार की जीत दर्ज की, उसको देखते हुए उनको बहुत प्रभावशाली मानना भी जल्दबाजी होगी। नीतिक आलोचक और विश्लेषक भी स्वीकर करने लगे हैं कि मुख्यमंत्री के अपने दूसरे कार्यकाल में योगी ब्रांड के तौर पर उभरे हैं। यह भी देखना अहम होगा कि विपक्षी खेमे में ज्यादातर क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व कांग्रेस की मुखालफत पर टिका है। कांग्रेस का ही वोट लेकर ये सभी अस्तित्व में आए। अब चाहे ममता बनर्जी हों, लालू यादव हों या शरद पवार हों, सभी के पास का जो वोट बैंक है, वह कायदे से कांग्रेस का ही है।

पर्यावरण को लेकर सजगता

पंकज चतुर्वेदी

यह परंपरा भी है और संस्कार भी, जयपुर के परकोटे में स्थित ताड़केर मंदिर की खासियत है कि यहां शिवलिंग पर चढ़ने वाले पानी को नाली में बहाने के बनिस्बत चूने के बने एक कुंड, जिसे परवंडी कहते हैं, के जरिए धरती के भीतर एकत्र किया जाता है।

यह प्रक्रिया उस इलाके के भूजल के संतुलन को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। हो सकता है कि प्राचीन परंपरा में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का असली मकसद इसी तरह भविष्य के प्रकृति-प्रकोप के हालात में जल को सहेज कर रखना हुआ करता हो। उस काल में मंदिरों में नाली तो होती नहीं थी, यह एक सहज प्रयोग है और बहुत कम व्यय में शुरू किया जा सकता है। यदि दस हजार मंदिर इसे अपनाते हैं, और हर मंदिर में औसतन एक हजार लीटर पानी प्रति दिन शिवलिंग पर आता है, तो गणित लगा लें हर महीने कितने अधिक जल से धरती तर रहेगी।

जयपुर के इस शिवमंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां शिवजी की प्रतिमा भूमि के भीतर से अवतरित हुई है। चौड़ा रास्ता स्थित इस मंदिर का निर्माण 1784ईस्वीं में किया गया था। मुख्य शिवलिंग काले पत्थर का बना है। इसका व्यास 9 इंच है। इस मंदिर से पाराशर व्यास परिवार का संबंध है, और नित्य पूजा- अर्चना इसी परिवार द्वारा की जाती है।

मंदिर का फर्श संगमरमर का है। चौक के पास ही जगमोहन सभा हॉल है। इस हॉल में चार विशाल घंटे हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन 125 किग्रा. है। यहां एक पीतल का नंदी बैल है, और गणोशजी की भी प्रतिमा है, जिनकी सूंड बाई ओर है। शायद इसी मंदिर से प्रेरणा पा कर जयपुर के ही ज्योतिषी और सामाजिक कार्यकर्ता पंडित पुरुषोत्तम गौड़ ने पिछले दो दशकों में राजस्थान के करीब 300 मंदिरों में जल संरक्षण ढांचे का विकास किया है। समाज सेवा और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने के लिए गौड़ को महाराणा मेवाड़ अवार्ड समेत कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। गौड़ ने बताया कि 2000 में उन्होंने अपना जलाभिषेक अभियान शुरू किया। वे मंदिरों में 30 फुट गहरा गड्ढा बनवाते हैं, और शिवलिग से आने वाले पानी को रेत के फिल्टरों से गुजार कर जमीन में उतारते हैं। इसके अलावा, प्रतिमाओं पर चढ़ाए जाने वाले दूध को जमा करने के लिए पांच फुट के गड्ढे की अलग से जरूरत पड़ी। हिसाब लगाया गया था कि शहर में 300 से ज्यादा मंदिर हैं, जहां श्रावण महीने में रोजाना कम से कम चार करोड़ 50 लाख लीटर जल भगवान शिव और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं पर अर्पित किया जाता है। इससे जल संरक्षण तो हुआ ही मंदिरों के आसपास रहने वाली कीचड़, गंदगी से भी छुटकारा मिला।

ठीक ऐसा ही प्रयोग लखनऊ के सदर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में भी किया गया। यहां भगवान शंकर के जलाभिषेक के बाद जल नालियों की बजाय सीधे जमीन के अंदर जाता है। कोई 160 साल पुराने इस मंदिर का 2014 में जीर्णोद्धार किया गया। बारह ज्योतिर्लिग की स्थापना उनके मूल स्वरूप के अनुसार की गई है। यहां करीब 40 फीट गहरे सोख्ते में सिर्फ अभिषेक का जल जाता है जबकि दूध और पूजन सामग्री का अलग इस्तेमाल किया जाता है। बेलपत्र और फूलों को एकत्रित कर खाद बनाई जाती है। चढ़ाए गए दूध से बनी खीर का वितरण प्रसाद के रूप में होता है।

यहीं मनकामेश्वर मंदिर में भी सोख्ते का निर्माण किया गया है। यहां चढ़े फूलों से अगरबत्ती बनाई जाती है। वहीं बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री को खाद बनाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। बड़ा शिवाला और छोटा शिवाला में चढ़ने वाले दूध की बनी खीर भक्तों में वितरित की जाती है, और जल को भूमिगत किया जाता है। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिला मुख्यालय पर स्थित प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में चढ़ने वाले फूल अब व्यर्थ नहीं जाते। इनसे जैविक खाद बनाई जा रही है। इसके लिए केंचुए लाए गए हैं। इस खाद को पास के गांव वाले श्रद्धा से ले जा रहे हैं, और अपने खेतों में इस आस्था के साथ इस्तेमाल कर रहे हैं कि देवी कृपा से उनकी फसल अच्छी रहेगी। यहां पर खाद बनाने के लिए मंदिर प्रांगण में चारचक्रीय वर्मी कंपोस्ट यूनिट का शेड सहित निर्माण किया गया है। मंदिर में नित आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा फूल और मालाएं चढ़ाई जाती हैं।

पहले उन फूल और मालाओं को नदी में फेंका जाता था जिससे नदी भी दूषित होती थी। मंदिर प्रांगण में वर्मी कंपोस्ट तैयार करने के लिए 12 फीट लंबाई 12 फीट चौड़ाई और 2.5 फीट गहरे चार टांके बनाए गए हैं, जिनके बीच जालीनुमा दीवार बनाई गई है। इनके ऊपर छाया के लिए टीन शेड भी बनाए गए हैं। सबसे पहले प्रथम टांके में मंदिर में इकट्ठा होने वाले फूलों आदि का कचरा एकत्रित किया गया जिसे एक माह सड़ने देने के बाद उसमें केंचुए डाले गए। यह प्रक्रिया तीसरे एवं चौथे टांके के लिए भी अपनाई गई। इस चक्रीय पद्धति में चौथे महीने से बारहवें महीने तक हर महीने लगभग 500 किलो खाद मिलना प्रारंभ हो गई। इस प्रकार 8 महीनों में 4000 किलो जैविक खाद तैयार हो रही है। इस प्रकार रोज एकत्रित होने वाले फूल और मालाओं के कचरे से जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया सतत चलती रहेगी। तैयार होने वाली इस खाद में पोषक तत्वों और कार्बनिक पदाथरे के अलावा मिट्टी को उर्वरित करने वाले सूक्ष्म जीवाणु भी बहुतायत में होते हैं। यह खाद डालने से मिट्टी में समस्त प्रकार के पोषक तत्वों की मात्रा और उपलब्धता बढ़ती है, और मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है जिससे फसलों एवं पौधों का सर्वांगीण विकास होकर उत्पादित फसल स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होती है।

मंदिर में चढ़ाए गए फूलों को खाद में बदलने का काम दिल्ली के मशहूर झंडेवालान मंदिर में भी हो रहा है। देवास, ग्वालियर और रांची के पहाड़ी मंदिरों सहित कई स्थानों पर चढ़ावे के फूल-पत्ती को कंपोस्ट में बदला जा रहा है। जरूरत है कि मंदिरों में पॉलीथीन थैलियों के इस्तेमाल, प्रसाद की बर्बादी पर भी रोक लगे। शिवलिंग पर दूध चढ़ाने के बनिस्बत उसेअलग से एकत्र कर जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। जानना जरूरी है कि भगवान को पुष्प या बेल पत्र चढ़ाने से भगवान के प्रसन्न होने की परंपरा असल में आम लोगों को अपने घर में हरियाली लगाने को प्रेरित करने का प्रयास था। विडंबना है कि अब लोग या तो बाजार से फूल खरीदते हैं, या दूसरों की क्यारियों से उठा लेते हैं। काश! हर मंदिर यह अनिवार्य करे कि केवल स्वयं के बगीचे या गमले में लगाए गए फूल ही भगवान पर चढ़ाए जा सकेंगे। ऐसा होता तो हर घर में हरियाली का प्रसार सहजता से हो जाएगा।

अमीषा पटेल ने पहली बार चेक बाउंस मामले पर तोड़ी चुप्पी

चेक बाउंस मामले में हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल को रिहा किया गया था. अब एक्ट्रेस ने पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है. एक नए इंटरव्यू में अमीषा ने कहा कि झूठी शिकायत गलत मकसद से की गई थी. झारखंड के फिल्म प्रोड्यूसर अजय कुमार सिंह के बारे में बात करते हुए अमीषा ने आरोप लगाया कि उन्होंने सार्वजनिक तमाशा बनाकर पक्षपात का माहौल फैलाया.

अमीषा ने कोर्ट के सामने कर दिया था सरेंडर चेक बाउंस मामले में बीते शनिवार को अमीषा ने रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया था. सीनियर डिवीजन जज डीएन शुक्ला ने अमीषा को जमानत दी और उन्हें 21 जून को फिर से व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा. मामला 2018 का है, जब अजय कुमार सिंह ने अमीषा के खिलाफ धोखाधड़ी और चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था.

मामले पर क्या बोली अमीषा पटेल

जूम के साथ बातचीत में, अमीषा ने कहा, मैं रांची में कुछ मामलों के बारे में अपने फैंस और शुभचिंतकों के संदेशों से भर गई हूं. मैंने मामले की शुरुआत से ही शालीनता से चुप्पी साध रखी है कि मैं इसे जारी रखना चाहती हूं और सम्मानपूर्वक कानून को अपना काम करने देना चाहती हूं. दुर्भाग्य की बात है कि मेरी खामोशी, मर्यादा और व्यवस्था के प्रति सम्मान का फायदा रांची वाले मिस्टर अजय ने उठा लिया, जिन्होंने जनता का तमाशा बनाकर पक्षपात का माहौल फैलाया और मेरी स्टारडम का इस्तेमाल कर खुद फेमस होना चाहा. उन्होंने यह भी कहा, न्यायिक प्रणाली आखिरकार उस झूठी शिकायत को संभाल लेगी, जो गुप्त उद्देश्यों के लिए दायर की गई थी. माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी और विश्वासघात की कार्यवाही को रोक दिया है.

चेक बाउंस मामले में क्या हुआ?

शिकायत के अनुसार, अजय ने देसी मैजिक नामक फिल्म के निर्माण के लिए अभिनेत्री के बैंक खाते में 2.5 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए थे. अमीषा ने हालांकि बाद में फिल्म के साथ काम नहीं किया. उन्होंने 2.50 करोड़ का चेक भेजा, लेकिन वह बाउंस हो गया. जैसा कि समाचार एजेंसी पीटीआई ने रिपोर्ट किया है, सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2022 में झारखंड में ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन के संबंध में उनके खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के अपराध के लिए आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी थी. शीर्ष अदालत ने, हालांकि, कहा था कि निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 (चेक बाउंस) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए कार्यवाही कानून के अनुसार जारी रह सकती है. झारखंड हाईकोर्ट के 5 मई, 2022 के आदेश के खिलाफ अमीषा द्वारा दायर अपील पर सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश आया.

कृष्णा अभिषेक ने उदित नारायण और कुमार शानू की खोली पोल, कहा- 90 के दशक में इन दोनों के म्यूजिक झगड़े काफी...

अमीषा की अपकमिंग फिल्म

अमीषा पटेल अनिल शर्मा द्वारा अभिनीत गदर 2 में दिखाई देंगी. फिल्म में सनी देओल और उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं. यह 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है. गदर 2 संकेत देती है कि कहानी वहीं से शुरू होती है जहां कहानी गदर- एक प्रेम कथा समाप्त हुई थी. गदर 2 अक्षय कुमार की हस्त्न 2 और रणबीर कपूर की एनिमल से भिड़ेगी.

अक्षय कुमार के साथ मनमुटाव को लेकर विपुल अमृतलाल शाह ने किया खुलासा साथ काम ना करने की बताई वजह

विपुल अमृतलाल शाह बॉलीवुड के जाने माने डायरेक्टर्स में से एक हैं। विपुल ने हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दीं हैं। डायरेक्टर ने अक्षय कुमार के साथ भी काफी काम किया है, लेकिन दोनो को एक साथ काम किए काफी लंमा समय बीत गया, जिस कारण लोगों को लगा कि शायद इनके बीच कोई मनमुटाव चल रहा है। लेकिन अब विपुल अमृतलाल शाह ने अक्षय कुमार के साथ काम ना करने की वजह का खुलासा किया है। डायरेक्टर ने कहा कि, हम दोनो ने लगातार साथ काम किया, तो हमें लगा कि दूसरे एक्टर्स के साथ काम करना भी जरूरी है और ये दोनों के लिए अच्छा होगा। विपुल ने आगे कहा, हमने अपने पूरे करियर में कभी लड़ाई नहीं की। हम दोनों ने ब्रेक लिया है। मैं और अक्षय दोनों अपने अपने काम में बिजी हैं। लेकिन मौका मिलने पर हम दोनों साथ काम करेंगे। आपको बता दें कि, विपुल शाह ने अक्षय कुमार के साथ वक्त- द रेस अगेंस्ट टाइम, नमस्ते लंदन और द एक्शन रिप्ले जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

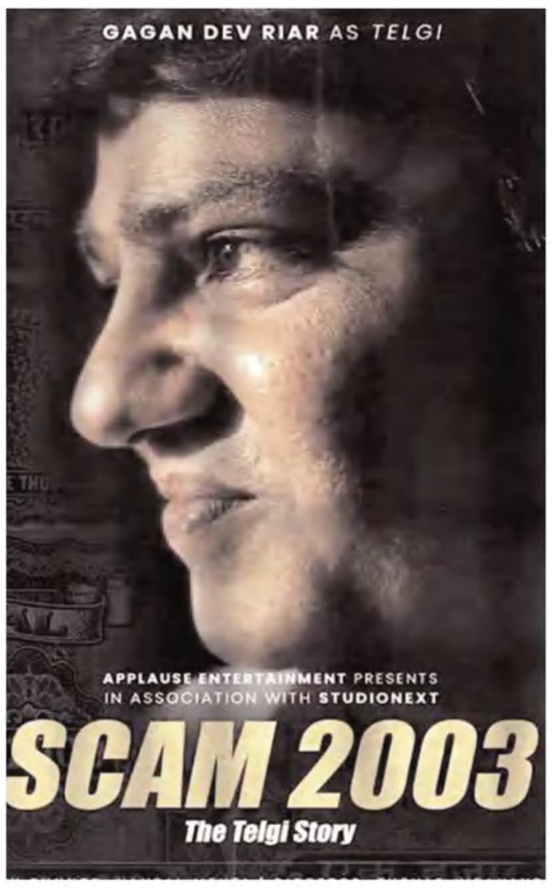

स्कैम 2003 द तेलगी स्टोरी

3 सितंबर को सोनी लिव पर होगा प्रीमियर

सोनी लिव 2.0 स्कैम 2003 द तेलगी स्टोरी की रिलीज की तारीख की घोषणा करके अपने पुन- लॉन्च की तीसरी वर्षगांठ मना रहा है। बहुप्रतीक्षित सीरीज 2 सितंबर 2023 को प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू होगी। इस श्रृंखला को पत्रकारसमाचार रिपोर्टर संजय सिंह द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक रिपोर्टर की डायरी से रूपांतरित किया गया है, जिन्हें उस समय के घोटाले की कहानी को तोड़ने का श्रेय दिया जाता है। स्कैम 2003-द तेलगी स्टोरी अब्दुल करीम तेलगी द्वारा 2003 के स्टैम्प पेपर स्कैम की कहानी पेश करती है। श्रृंखला एक दिलचस्प कहानी होने का वादा करती है क्योंकि यह कर्नाटक के खानापुर में पैदा हुए अब्दुल करीम तेलगी के जीवन और पूरे देश को हिला देने वाले 18 राज्यों में फैले भारत के सबसे सरल घोटालों में से एक के पीछे मास्टरमाइंड बनने की उनकी यात्रा को बताएगी। इस शो में लेखक संजय सिंह के साथ कहानी लिखने और विकसित करने के लिए मराठी फिल्म उद्योग में अपने योगदान के लिए जानी जाने वाली किरण यज्ञोपवीत का सहयोग लिया गया है। स्कैम 2003 स्टूडियो नेक्स्ट के सहयोग से अपलॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। श्रृंखला हंसल मेहता द्वारा अभिनीत और तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित है। स्कैम 2003-द टेल्गी स्टोरी का प्रीमियर 02 सितंबर 2023 को केवल सोनी लिव पर होगा!

टी सीरीज के साथ आएंगे टाइगर श्रॉफ

लव स्टीरियो अगेन टी-सीरीज़ की मनमोहक बीट्स में खोने के लिए फिर से तैयार हो जाइए। यह एक ऐसा म्यूजिकल मास्टरपीस है जो दर्शकों को पूरी तरह इमोशन में खो जाने के लिए मजबूर कर देता है। इस सॉन्ग के लिए म्यूजिकल स्टार जहरा एस खान और अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ इंटरनेशनल सेंसेशन एडवर्ड माया एक साथ आएंगे। मनीष शंटी के निर्देशन में बना यह सॉन्ग बहुत जल्द ही रिलीज होने वाला है, जिसके लिए इंटरनेशनल कोलैबोरेशन किया गया है। लव स्टीरियो अगेन में ज़हरा और टाइगर की धमाकेदार केमिस्ट्री आपके होश उड़ाने के लिए तैयार है। दोनों स्टार ने गाने के अट्रैक्शन और सिजल को और बढ़ा दिया है। भारतीय समकालीन स्पर्श के साथ इस सॉन्ग के ट्रैक तनिष्क बागती ने तैयार किए हैं। श्रद्धा पंडित की मनमोहक आवाज के साथ एडुआर्ड मैरियन, एल्डार मानसरोव और कोर्नेवा विक्टोरिया के इंग्लिश लिरिक्स गाने में बेहद शानदार लगेंगे हैं। इतनी मजबूत टीम के साथ यह सॉन्ग इस साल के सबसे बड़े इंटरनेशनल सहयोगों में से एक है।

शादी के 11 साल बाद पिता बने राम चरण

आरआरआर स्टार राम चरण के घर खुशियों ने दस्तक दी है। एक्टर और उनकी पत्नी उपासना ने शादी के पूरे 11 साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। एक्टर की पत्नी ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। इस गुड़ न्यूज के बाद फैंस कपल को लगातार सोशल मीडिया पर बधाइया दे रहे हैं। राम चरण की वाइफ उपासना को बीती

रात हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था और आज 20 जून को सुबह उन्होंने बेटी को जन्म दिया। वहीं, अपोलो अस्पताल ने एक मेडिकल बुलेटिन शेयर करते हुए कहा, मिसेज उपासना कामिनेनी कोनिडेला और राम चरण की 20 जून 2023 को हैदराबाद के अपोलो अस्पताल जुबली हिल्स में एक बच्ची हुई। बच्चा और मां स्वस्थ हैं। राम चरण और उपासना के पेरेंट्स बनने पर उनके फैंस बेहद खुश हैं और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें लगातार बधाइयां दे रहे हैं। बता दें, राम चरण और उपासना ने हाल ही अपनी शादी की 11वीं सालगिरह सेलिब्रेट की थी। कपल की शादी 14 जून 2012 को हुई थी. ऐसे में शादी के पूरे 11 साल बाद पहले बच्चे का स्वागत करने से कपल की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है और उनके घर में भी खुशी का माहौल बना हुआ है। राम चरण और उपासना के पेरेंट्स बनने से साउथ मेगा स्टार चिंरजीवी और उनकी पत्नी सुरेखा अब दादा दादी बन गए हैं।

शाहरुख खान लॉन्च करेंगे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का टीजर

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ, करण जौहर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक निर्देशक के रूप में अपना 25वां वर्ष मना रहे हैं। उनका सफर 1998 में शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी के लीड रोल में कुछ कुछ होता है के साथ शुरू हुआ था, और अब 2023 में, वह रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, शबाना आज़मी और जया बच्चन के साथ एक फॅमिली ड्रामा के लिए तैयार हैं। और अब, शाहरुख खान करण जौहर की 25 25 साल का सफर का जश्न मनाने के लिए रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का टीज़र लॉन्च करेंगे। करण जौहर निर्देशक के रूप में रणवीर सिंह के साथ उनका पहला सहयोग है, और दूसरा आलिया के साथ। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म पहली बार धर्मेंद्र के साथ धर्मा प्रोडक्शन के तहत किसी फिल्म के साथ काम कर रही है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। टीजर 20 जून को रिलीज होगा, इसके बाद एक गाना और जुलाई के महीने में बड़ा ट्रेलर होगा। टीम ने फिल्म के लिए 40 दिनों के एक कड़े कैंपेन की योजना बनाई है और अब वे अपनी प्रमुख टीजर के साथ डिजिटल दुनिया में रिलीज करने के लिए तैयार हैं। कहा जाता है कि संगीत रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ-साथ कलाकारों की टुकड़ी के प्रमुख आकर्षण में से एक है। 1 मिनट-16 सेकंड के टीजर की बात करें तो यह फिल्म की भव्य दुनिया की एक झलक है, जिसमें दृश्य, स्टार-कास्ट और एक भावपूर्ण धुन दिखाई गई है। यह एक बड़ी करण जौहर म्यूजिकल लव स्टोरी का वाइब देती है और दर्शकों को परिवारों की जीवन से बड़ी दुनिया के लिए तैयार करेगी।

कॉफी विद करण में पापा संग नजर आएंगे आर्यन

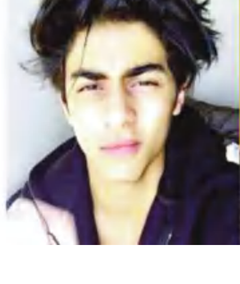

मशूहर फिल्म मेकर करण जौहर का पॉपुलर शो कॉफी विद करण हमेशा ही चर्चा में बना रहता है। फैंस शो के अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। ऐसे में एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुन फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। दरअसल, इस बार कॉफी विद करण में बॉलीवुड के बादशाह यानी शाहरुख खान अपने बेटे आर्यन खान के साथ नजर आने वाले हैं। ऐसा पहली बार होगा जब किंग खान बेटे आर्यन के साथ स्क्रीन पर देखाई देने वाले हैं। ऐसे में दोनों को पहली बार एक साथ देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। बाप-बेटे की जोड़ी मिलकर काफी एंटरटेन करने वाले हैं। जिसे देखना काफी एक्साइटिड होगा। वहीं, खबर है कि इसी एपिसोड में गौरी खान भी सरप्राइज एंट्री कर सकती हैं।

बिहार में विपक्षी दलों की बैठक पर निजी महत्वाकांक्षा भारी!

पटना, 22 जून (का.सं.)। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को विपक्षी दलों की बैठक होने वाली है। इस बैठक में करीब 17 दलों के नेताओं के भाग लेने की संभावना है। इसी बीच कई नेताओं के बयानों और आम आदमी पार्टी के पटना में लगाए गए एक पोस्टर के बाद कहा जाने लगा है कि भले ही विपक्ष की एकजुटता को लेकर यह बैठक आहूत की गई है। लेकिन, इस पर नेताओं और पार्टियों की निजी महत्वाकांक्षा भारी पड़ती दिख रही है।

पटना की सड़कों पर विकास कुमार ज्योति, जो खुद के आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता और पूर्व में पार्टी का प्रवक्ता होने का दावा करते हैं, का लगाया गया पोस्टर चर्चा में है। इस पोस्टर में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जहां भावी प्रधानमंत्री बताया गया है। वहीं, बिहार के सीएम नीतीश कुमार से सावधान भी किया गया है। ज्योति बताते हैं कि ऊपर से ऐसा पोस्टर लगाने का कोई आदेश नहीं है। लेकिन, खुद वे अपने नेता को आगाह करना दायित्व समझते हैं।

पोस्टर में लिखा गया है कि न आशा है न विश्वास है, संभल कर रहना देश के लोगों, ये नीतीश कुमार है, मोदी जी का खासम खास है। इस पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के हाथ से हाथ मिलाए एक तस्वीर भी है। दिल्ली के सीएम केजरीवाल विपक्षी दलों की बैठक के पूर्व गुरुवार को ही पटना पहुंच गए हैं।

बताया जाता है कि विपक्षी दलों की बैठक के पूर्व ही केजरीवाल ने सबसे पहले सेवा अधिकार से जुड़े अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने की मांग कर दी है। इधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कांग्रेस को वोट काटने से बचने की सलाह दी है।

भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी कहते भी हैं कि विपक्षी एकता बरसाती मेढ़कों को तौलने के समान है। एकता के नाम पर हर दल शर्तें थोप रहा है। मायावती, कुमारस्वामी, केसीआर, नवीन पटनायक, वाईएसआर ने तो पहले ही किनारा कर लिया। अरविंद केजरीवाल तो बैठक के प्रारंभ में ही संविधान की कक्षा लगाएंगे। सुशील मोदी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की शर्त है कि एकता के पहले अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस समर्थन की घोषणा करे। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर सभी को पत्र तक लिख डाला है।

सुशील मोदी ने कहा कि विपक्षी दलों में एजेंडा को हाईजैक करने की होड़ लगी है। अरविंद केजरीवाल की शर्तों के अलावा शरद पवार न्यूनतम साझा कार्यक्रम, नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ एक उम्मीदवार की रणनीति, तो कांग्रेस पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में हिंसा रोकने के एजेंडे पर पहले बात करना चाहती है।

इधर, जदयू के नेता केसी त्यागी भी कह चुके हैं कि भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए अगर किसी पार्टी को थोड़ी बहुत कुबार्नी देनी पड़े तो मन छोटा नहीं करना होगा। विपक्ष के सभी नेता एकमत हैं, तभी यह गठबंधन बन रहा है। जदयू नेता ने कहा कि विपक्षी एकजुटता में शामिल सभी पार्टियों को बड़ा दिल दिखाना होगा, तभी सफलता मिलेगी। ऐसी स्थिति में देखना होगा कौन दल अपनी निजी महत्वाकांक्षा छोड़कर बड़ा दिल दिखाती है।

लालू यादव के पैर छूकर निकलीं ममता बोलीं– अभी भी बहुत तगड़े हैं, बीजेपी से लड़ सकते हैं, हम साथ लड़ेंगे

पटना, 22 जून (का.सं.)। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भारत लौटे राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने महागठबंधन की बैठक को ऑनलाइन संबोधित कर जो तेवर दिखाए थे, उससे ही लग रहा था कि बिहार फिर देश की राजनीति का केंद्रबिंदु बनेगा। विपक्षी एकता के लिए 23 जून को होने वाली बैठक में लालू की सक्रियता खुलकर सामने आ रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विपक्षी एकता के लिए बुलाई गई बैठक के लिए पटना आईं तो राजद अध्यक्ष से मिलने पहुंच गईं। मिलने के बाद उन्होंने लालू की सेहत और जज्बे पर खुलकर चर्चा की।

ममता बनर्जी ने कहा कि लालू प्रसाद देश में काफी सीनियर लीडर हैं। वे बहुत दिन जेल में थे। उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। लेकिन, आज उनसे बात कर लगा कि लालूजी अभी भी बहुत तगड़े हैं और बीजेपी से लड़ सकते हैं।

ममता बनर्जी ने पुराने दिनों की याद भी ताजा की। उन्होंने बताया– 'एक दिन लालूजी संसद में भाषण दे रहे थे रहे थे। हम भी तब एमपी थे। प्याज–आलू का भाव बढ़ गया था। लालूजी बोल रहे थे, तब हमने कहा– राबड़ीजी का भाव क्या है? लालू जी ने कहा कि सबसे ज्यादा भाव है राबड़ीजी का।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की शुक्रवार को होने वाली बैठक के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम लोग इकट्ठा हो रहे हैं। एक साथ लड़ेंगे। वन इज टू वन लड़ेंगे।

राजद सुप्रीमो से मिलने के बाद कांग्रेस और सीपीएम के साथ लड़ने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी एकता की मीटिंग के बाद जो तय होगा, वैसा ही किया जाएगा। ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे बिहार आकर काफी अच्छा लगता है। मैं जनता को धन्यवाद देती हूं। बिहार का नालंदा विश्वविद्यालय और यहां की मिठाई को काफी पसंद करती हूं। मैं लालू प्रसाद यादव की काफी इज्जत करती हूं। वह देश के सबसे सीनियर लीडर में से एक हैं। बहुत दिन जेल में रहे। हॉस्पिटल में रहे। उनकी तबीयत भी ठीक नहीं लगी। आज उनसे मिलकर लगा कि लालू जी का स्वास्थ्य काफी अच्छा है। अभी वह बहुत दिन भाजपा से लड़ सकते हैं। उनसे मिलकर काफी अच्छा लगा।

मुजफ्फरपुर में अस्पताल का सीनियर क्लर्क निकला काले धन का कुबेर, निगरानी विभाग का छापा

मुजफ्फरपुर, 22 जून (नि.सं.)। जिले में निगरानी विभाग की सुबह सुबह हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। रडार पर सदर अस्पताल था, लेकिन कोई डॉक्टर नहीं बल्कि वहां का सीनियर क्लर्क। निगरानी विभाग की टीम ने मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल के सीनियर क्लर्क सुबोध कुमार ओझा के घर और कई ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। ये छापेमारी खास तौर पर सदर थाना के खबरा इलाके में की गई। सुबोध कुमार ओझा के ठिकानों पर छापेमारी के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। निगरानी टीम की कई टीमों ने इस छापेमारी को एक साथ एक वक्त पर अंजाम दिया। सदर अस्पताल के सीनियर क्लर्क सुबोध कुमार ओझा पर आय से अधिक और अकूत संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया गया है। इसी केस के बाद निगरानी विभाग की टीम ने वरीय लिपिक सुबोध कुमार ओझा पर शिकंजा कस दिया।

सुबोध ओझा ने सदर अस्पताल से अपनी ऐसी पहचान बनाई कि आज वो किसी नाम और परिचय का मोहताज नही है। स्थानीय सूत्रों की माने तो कोरोना काल मे मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल में हुए 780 कर्मियों की बहाली और फिर बहाली की प्रक्रिया निरस्त करने के मामले में अचानक सुबोध ओझा का नाम चर्चा में आ गया था।

इस मामले में बड़े स्तर पर पैसे का खेल हुआ था। स्थानीय लोगों की मानें तो सुबोध ओझा कई तरह के कारोबार कर रहे हैं। आरोप है कि सुबोध कुमार ओझा आईटीआई कॉलेज से लेकर कई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और योगा केंद्र भी अपने परिवार के अन्य सदस्यों के नाम से चला रहे हैं। इसके अलावा सुबोध कई प्रॉपर्टी और लग्जरी गाड़ियों के साथ बेशकीमती मकान के मालिक भी हैं। हालांकि इनमें से कई संपत्तियां सुबोध ने अपने घरवालों के नाम पर इकट्ठी की है।

गया पहुंची महबूबा मुफ्ती, भगवान बुद्ध को किया नमन, महाबोधि मंदिर का जाना इतिहास

गया, 22 जून (नि.सं.)। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को बोधगया के विश्विख्यात बोधि मंदिर में स्थित भगवान बुद्ध का नमन किया। वे शाम को बोधगया पहुंची और भगवान बुद्ध का उन्होंने गर्भगृह में दर्शन किया। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें बोधगया लाया गया। साथ ही कड़ी सुरक्षा के बीच ही उन्होंने भगवान गौतम बुद्ध के दर्शन किए। इस मौके पर बीटीएमसी के पदाधिकारियों से महाबोधि मंदिर के बारे में विस्तार से उन्होंने जानकारी भी ली। इस दौरान महागठबंधन के नेता व कार्यकर्ता उनके साथ साथ थे। वे गया जी के बोधगया नालांदा से होते हुए पहुंची हैं। एकंगर सराय स्थित मजार का दर्शन करने के बाद भगवान बुद्ध का उन्होंने दर्शन किया। गर्भगृह में दर्शन के बाद उन्होंने पवित्र महाबोधि वृक्ष का भी अवलोकन किया।

दरअसल पटना में शुक्रवार को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में शरीक होने के लिए बिहार आई हुई हैं। बैठक में शरीक होने से पहले उन्होंने नालंदा के एकंगर सराय स्थित प्रसिद्ध मजार और फिर भगवान बुद्ध का दर्शन करने की इच्छा जताई थी। यही वजह थी कि वह सड़क मार्ग से नालंदा होते हुए गया शाम के वक्त पहुंची।

इस मौके पर टिकारी के जदयू से पूर्व विधायक सह जदयू के जिलाध्यक्ष अभय कुशवाहा अपने साथियों के साथ पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की अगवानी कर रहे थे। वहीं बीटीएमसी के सचिव एन दोर्जे और अरविंद सिंह के अलावा अन्य लोग भी मौजूद थे।

बताया गया है कि भगवान बुद्ध के दर्शन के बाद वे सीधे पटना के लिए रवाना होने वाली हैं।

सीएम नीतीश का ड्रीम प्रोजेक्ट ठप : नल–जल योजना कई महीनों से खराब, भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान ग्रामीण

पटना, 22 जून (का.सं.)। बिहटा नगर परिषद के वार्ड नंबर 16 राघोपुर बाजार समिति के परिसर में करीब 3 महीनों से नल–जल का मोटर खराब है। नल–जल योजना नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो महीनों से खराब पड़ा है। नल से एक बूंद पानी नहीं टपक रहा है। भीषण गर्मी में पानी नहीं मिलने से ग्रामीणों के बीच अफरा–तफरी का माहौल बना हुआ।

दरअसल सात निश्चय योजना के अंतर्गत बिहटा के विभिन्न वार्डों में नल जल का कनेक्शन लगाया गया था। शुरुआत के दिनों में लोगों को अच्छी तरह से पानी मिल रहा था। लेकिन भीषण गर्मी में कई महीनों से मोटर खराब रहने से आमलोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे काफी परेशानियां हो रही है।

इसको लेकर स्थानीय नगर पदाधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद लोगों को निराशा ही हाथ लगी है। पदाधिकारियों का कहना है कि यह हमारे विभाग से अलग हैं। सात निश्चय योजना के अंतर्गत हर घर नल–जल पहुंचाने का माननीय मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। लेकिन उनके ड्रीम प्रोजेक्ट पर अब पानी फिरता नजर आने लगा है। बिहटा के विभिन्न जगहों पर नल–जल का कनेक्शन खराब पड़ा हुआ है।

सुजीत मुखिया, राकेश कुमार, विकास कुमार,वीर बहादुर, बबलू कुमार, रितेश चौहान समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया की करीब 3 महीनों से हमारे वार्ड में नल–जल का मोटर खराब पड़ा हुआ है। इस मामले में स्थानीय नगर अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी आज तक बन नहीं पाया है, जिससे मवेशी समेत आम–लोगों को भीषण गर्मी में पानी ना मिलने से मरने के कगार पर है। यह सात निश्चय योजना के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के द्वारा नल–जल का कनेक्शन लगाया गया था।

नगर मुख्य पार्षद प्रियंका कुमारी ने बताया कि नल–जल का कनेक्शन पीएचडी विभाग देख रही है। इस मामले को लेकर शिकायत किया गया है। जल्द ही इसे लोगों को इससे निजात मिलेगा।

विपक्षी दलों की बैठक से पहले बिहार कांग्रेस अध्यक्ष बोले- चेहरे का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं... साक्षा न्यूनतम कार्यक्रम के साथ बढ़ना होगा आगे

पटना, 22 जून (का.सं.)। कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक से एक दिन पहले गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की तरफ से प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह जरूरी है कि विपक्षी पार्टियां जल्द एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करें और इसके आधार पर आगे बढ़ें। उनका यह भी कहना था कि भारतीय जनता पार्टी–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सत्ता से हटाने के बाद नेतृत्व के सवाल को सामूहिक रूप से सुलझाया जा सकता है।

अखिलेश सिंह ने दावा किया कि जब विपक्षी दल एकजुट होकर अगले साल होने वाले आम चुनाव लड़ेंगे तो भारतीय जनता पार्टी 100 से भी कम सीटों पर सिमट जाएगी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का यह बयान वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा–विरोधी मोर्चे की रूपरेखा तैयार करने के लिए विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक से पहले आया है। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्षी एकता का मुख्य स्तंभ है और यहां होने जा रही बैठक एवं आगे अन्य बैठकों में राजनीतिक दलों के बीच छोटे–मोटे मतभेदों को दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दलों की बैठक के संदर्भ में कहा, हमें उम्मीद है कि सभी नेता साथ बैठेंगे, आगे बढ़ने के लिए सौहार्दपूर्ण समाधान निकलेगा।

विपक्ष के पास प्रधानमंत्री पद के लिए कोई चेहरा नहीं होने संबंधी भाजपा की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, मैं आपको 2004 में ले जाना चाहूंगा, जब मनमोहन सिंह हमारे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं थे और कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पद के चेहरे के बिना एक गठबंधन के साथ भाजपा को हराया था और जब (अटल बिहारी) वाजपेयी हार गए तो मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने और 10 साल लगातार इस पद पर रहे।

उन्होंने कहा कि (प्रधानमंत्री पद के लिए) चेहरा बहुत महत्वपूर्ण नहीं है, सभी विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। राज्यसभा सदस्य सिंह ने कहा, हमें विश्वास है कि भाजपा 100 से भी कम सीटों पर सिमट जाएगी। सिंह के मुताबिक, फिलहाल प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरा तय करना प्राथमिकता नहीं है। उनका कहना है कि भाजपा इस आधार पर सोच सकती है, लेकिन कांग्रेस ने कर्नाटक में भी इस रणनीति पर अमल नहीं किया और वहां बिना चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ा।

विपक्षी एकता की बैठक से पहले नालंदा पहुंची महबूबा मुफ्ती, किंग ऑफ कश्मीर के मजार पर की चादरपोशी

नालंदा, 22 जून (नि.सं.)। पटना में 23 जून को आयोजित होने वाले विपक्षी एकता की बैठक में भाग लेने के पहले गुरुवार को जम्मू–कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती नालंदा पहुंचीं। पटना से सीधे नालंदा के इस्लामपुर प्रखंड की बेशवक पंचायत के कश्मीरीचक गांव पहुंची। वहां महबूबा मुफ्ती ने किंग ऑफ कश्मीर नाम से विख्यात सुल्तान युसुफ शाह चक के मजार पर चादरपोशी की। इस्लामपुर के कश्मीरीचक से जम्मू–कश्मीर के राजाओं का लगाव रहा है। कश्मीर की सियासत में कश्मीरीचक के पूर्वजों से लंबे समय से नाता रहा। यही कारण है कि महबूबा मुफ्ती कश्मीचक पहुंचकर पूर्वजों की यादों को ताजा किया। उनके मजार पर चादरपोशी कर दुआ मांगी। जम्मू–कश्मीर के पूर्व सीएम और दिग्गज नेता फारूख अब्दुला का भी कश्मीरीचक की धरती से अटूट संबंध है। उनके पिता शेख अब्दुला का जन्म कश्मीरीचक में हुआ था। शेख अब्दुला और उनके पूर्वजों के भी कश्मीरीचक में मजार हैं। वर्तमान में एकंगरसराय और इस्लामपुर के बीच शेख अब्दुला के नाम से रोड भी है। यही रोड कश्मीरीचक तक होते हुए बेशवक गांव जाता है।

नालंदा जिले के इस्लामपुर से आज़ाद कश्मीर के आखिरी शासक युसूफ शाह का इतिहास जुड़ा हुआ है। अपनी जिंदगी के आखिरी लम्हे उन्होंने इस्लामपुर में ही बिताया और यहीं के होकर रह गए। कश्मीरी चक में 400 साल पहले का इतिहास दफन है। इस बात को शासक युसूफ शाह का मकबरा प्रमाणित करता है। कश्मीर के बाद युसूफ शाह ने इस्लामपुर का रुख किया। उनकी पत्नी हब्बा खातून ने भी अपनी ज़िंदगी का आखिरी लम्हा यहीं गुजारा। युसूफ शाह चक और उनकी पत्नी हब्बा खातून का इस्लामपुर प्रखंड के बेशवक गांव में ही मकबरा है।

स्थानीय लोगों की माने तो शासक युसूफ शाह कश्मीर से ताल्लुक रखते थे और उनके नाम के आखिर में चक लगा हुआ है। इसलिए बेशवक गांव के पहले एक गांव है उस गांव नाम कश्मीरीचक रखा गया।

मुगल शासक अकबर से रिहाई मिलने के बाद युसूफ शाह ने इस्लामपुर (नालंदा) की तरफ रुख किया। कश्मीरीचक नाम से एक नगर बसाया। इसके बाद वे यहीं के होकर रह गए। गौरतलब है कि इस्लामपुर से शेख अब्दुल्ला रोड होते हुए बेशवक का रास्ता गुजरता है। 19 जनवरी 1977 को राज्य की कल्चरल एकेडमी की टीम के साथ जम्मू और कश्मीर के तत्कालीन मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला बेशवक आए थे।

'गद्दार' पर गर्म हुए जीतन राम मांझी, लालू-नीतीश को घेरा

पटना, 22 जून (का.सं.)। एनडीए गठबंधन में शामिल होने पर जेडीयू और आरजेडी की तरफ से आलोचना का सामना कर रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा के समर्थन के बल पर बिहार में मुख्यमंत्री बनने वाले लालू यादव और नीतीश कुमार की पार्टी उन्हें गद्दार कह रही है, यह बेईमानी नहीं तो क्या है? एनडीए में शामिल होने के अगले दिन गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए मांझी ने कहा कि 1990 में लालू यादव भाजपा के समर्थन से बिहार के मुख्यमंत्री बने थे, नीतीश कुमार एनडीए की सरकार में केंद्र में रेल मंत्री बने थे और भाजपा के समर्थन से कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने तब सब कुछ ठीक था। लेकिन, आज जब उन्होंने नीतीश कुमार द्वारा महागठबंधन से बाहर किए जाने के बाद एनडीए में शामिल होने का फैसला किया तो उन्हें गद्दार कहा जा रहा है, यह बेईमानी नहीं तो क्या है?

मांझी ने कहा कि उन पर जासूसी का आरोप लगाने वाले नीतीश कुमार ने स्वयं यह कहा कि, उन्होंने मुझे अपनी पार्टी का जेडीयू में विलय करने या महागठबंधन से बाहर जाने को कहा था तो सोचिए अगर मसला जासूसी का था तो क्या जेडीयू में विलय करने के बाद भी यह खतरा नहीं रहता। इसका मतलब स्पष्ट है कि उन्होंने गलत आरोप लगाया, अविश्वास किया। जबकि, जासूसी करना उनका स्वभाव नहीं है।

विपक्षी दलों को एकजुट करने की नीतीश कुमार की मुहिम पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की एकता होना संभव नहीं है। क्योंकि, सभी नेताओं की अपनी–अपनी महत्वाकांक्षा है। कर्नाटक में जीतने के बाद कांग्रेस की महत्वाकांक्षा भी बढ़ गई है और वह किसी दूसरे दल के नेता का नेतृत्व स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि आज नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष के पास कोई नेता नहीं है।

विपक्षी एकता के लिए पटना में होने वाली बैठक से पहले नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय चौधरी के रिश्तेदारों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के छापे का समर्थन करते हुए मांझी ने कहा कि विपक्ष जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। लेकिन, वह गलत है। आखिर उनके यहां कभी छापा क्यों नहीं पड़ा? रेड उन्हीं लोगों के यहां हो रही है, जिन्होंने गलत तरीके से पैसा बनाया है और जहां से बड़े पैमाने पर रुपये की बरामदगी की आशंका है।

मांझी ने कहा कि वह अपनी पार्टी का स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना चाहते थे। इसलिए, नीतीश कुमार की विलय की शर्त को स्वीकार नहीं कर सकते थे। भाजपा ने उन्हें सहयोगी दल के तौर पर स्वीकार किया और इसलिए वे एनडीए में शामिल हुए हैं।

सैफ चैंपियनशिप : छेत्री की हैट्रिक से भारत ने पहले ही मैच में पाक को 4-0 से हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)। कप्तान सुनील छेत्री की हैट्रिक से भारत ने सैफ चैंपियनशिप के पहले ही मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया। भारत की ओर से छेत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला गोल 10वें मिनट में जबकि दूसरा गोल 16वें मिनट में कर किया। पहले हाफ के बाद दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम का आक्रामक रुख जारी रहा। 74वें ओवर में छेत्री ने एक गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी करने के साथ ही भारत की ओर से तीसरा गोल दागा। इस गोल के साथ ही छेत्री के अंतरराष्ट्रीय खेल जगह में 90 गोल भी हो गए। इसी के साथ ही अब वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं मैच का चौथा गोल उदांता सिंह कुमम ने 81वें मिनट में कर भारत को 4-0 से जीत दिला दी।

वहीं इससे पहले पाक टीम टिकटों की अनुपलब्धता के कारण मैच से पहले दो दो अलग-अलग समूहों में भारत पहुंची क्योंकि एक ही उड़ान में उसे टिकट नहीं मिल पाये थे। दूसरा दल मैच से छह घंटे पहले ही पहुंचा था। इसके बाद भी मैच समय पर हुआ।

खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ सहित पाकिस्तान दल के 32 सदस्यों को एक ही विमान में सीटें नहीं मिली और वे दो समूह में पहुंचे। पाकिस्तान टीम को इस दौरे में शीर्ष स्तर की सुरक्षा मिली हुई है।

टीम बस की सुरक्षा के लिए एक वाहन साथ रखा गया है, टीम होटल और आयोजन स्थल पर पुलिसकर्मियों को कई परत में तैनात करने के साथ एक विशेष सुरक्षा विशेषज्ञ भी भेजा गया है।

भारत के बाद अब उसे दूसरे मुकाबले में 24 जून को कुवैत और 27 जून को नेपाल से खेलना है। सितंबर 2018 के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार फुटबॉल मैच खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पाक को 4-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है। वहीं पिछले मुकाबले में भी भारत ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 3-1 से हराया था।

कोविड टीके के कारण हुई थी वॉर्न की मौत

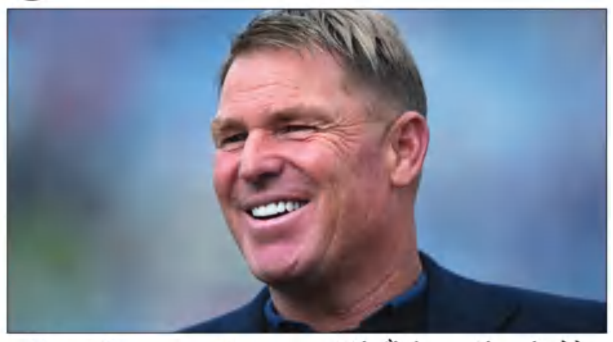

-विशेषज्ञों का दावा, दिल की बिमारियां बढ़ाता है कोरोना का टीका

सिडनी (एजेंसी)। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वॉर्न की मौत के मामले में एक अहम खुलासा हुआ है। वॉर्न की मार्च 2022 में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी। अब उनकी मौत की वजह को लेकर आई एक रिपोर्ट से सभी हैरान हैं। इसमें कहा गया है कि वॉर्न की मौत कोरोना टीके कारण हुई थी। वॉर्न गत वर्ष मार्च में छुट्टियां मनाने के लिए थाईलैंड गए हुए थे और वहीं होटल में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इसी को लेकर अब विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि वॉर्न ने कोरोना से बचने के लिए जो टीक लगवाया था उससे दिल से संबंधित रोग बढ़ता है। वॉर्न की मौत भी दिल का दौरा पड़ने की वजह से ही हुई थी। वॉर्न ने दौरे के 9 महीने पहले कोरोना टीका लगवाया उन्होंने संक्रमण से बचने के लिए कोविड एमआरएनए टीका लगवाया था। एक रिपोर्ट के अनुसार यह ऐसा टीका है जिससे दिल से संबंधित रोग बढ़ते हैं। ऑस्ट्रेलियाई डॉक्टर और ब्रिटेन के कार्डियोलॉजिस्ट (दिल की बीमारियों के विशेषज्ञों) का मानना है कि इस क्रिकेटर की मौत का कारण कोरोना टीकाकरण हो सकता है। इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ क्रिस नील और डॉ असीम मल्होत्रा का मानना है कि जो कोरोना टीका वॉर्न ने लगवाया था उससे दिल की बीमारियां तेजी से फैलने का खतरा बढ़ता था। गौरतलब है कि वॉर्न ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 145 टेस्ट और 194 एकदिवसीय मैच में 708 और 293 विकेट लिए थे। उनकी अचानक हुई मौत से खेल जगत हैरान हो गया था। तभी से उनकी मौत के कारणों की जांच चल रही थी।

दिग्गजों को लुभाने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का वेतन बढ़ाएगा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दिग्गज क्रिकेटरों को चयनसमिति में लाना चाहता है। इसके लिए चयनकर्ताओं का वेतन भी बढ़ाया जा सकता है जिससे कि बड़े खिलाड़ी भी चयन समिति में आने को उत्सुक हों। चयनसमिति में कम वेतन और कई पाबंदियों को देखते हुए बड़े नाम इस ओर नहीं आ रहे जिससे खिलाड़ियों का चयन भी मुश्किल हो रहा है। कम अनुभवी खिलाड़ी जब चयन करते हैं तो कई बार गलतियां हो जाती हैं। जानकारों का मानना कम वेतन के कारण चयनसमिति की जगह दिग्गज खिलाड़ी कोच या अन्य काम बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि उत्तर क्षेत्र से चेतन शर्मा की जगह बीसीसीआई को तब तक कोई बड़ा नाम नहीं मिला है। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिवसुंदर चेतन की जगह अध्यक्ष बनाया गया जबकि एस शरत (दक्षिण), सुब्रोतो बनर्जी (मध्य) और सलिल अंकोला (पश्चिम) चयन समिति में हैं। सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रूपये सालाना वेतन मिलता है जबकि चार अन्य सदस्यों को 90 लाख रूपये सालाना दिये जाते हैं। बड़े क्रिकेटरों की बात करें तो केवल दिलीप वेंगसरकर (2006 से 2008) और कृष्णामाचारी श्रीकांत (2008 से 2012) ने ही यह जिम्मेदारी संभाली थी। वेंगसरकर का काम अवैतनिक था जबकि श्रीकांत के चयनकर्ता बनने के बाद से बीसीसीआई ने वेतन देना शुरू ही किया था। इसके अलावा मोहिंदर अमरनाथ भी चयन समिति में थे और संदीप पाटिल भी इसके अध्यक्ष रहे। इस समय उत्तर क्षेत्र से चयन समिति में शामिल किये जाने के लिये एक ही बड़ा नाम उभरता है और वह है वीरेंद्र सहवाग। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, '' प्रशासकों की समिति के कार्यकाल के दौरान सहवाग को मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन करने के लिये कहा गया पर बाद में अनिल कुंबले को कोच बनाया गया। ऐसे में अब उन्हें नहीं लगता कि वह

एशिया कप के 'हाइब्रिड मॉडल को पीसीबी अध्यक्ष बनने जा रहे अशरफ ने ठुकराया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अगले अध्यक्ष बनने जा रहे जकी अशरफ ने एशिया कप के लिए बने 'हाइब्रिड मॉडल मॉडल को मानने से इंकार कर दिया है। अशरफ ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस मॉडल को खारिज कर दिया था। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष नजम सेठी ने 'हाइब्रिड मॉडल को पेश किया था जिससे भारत और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भी स्वीकार कर लिया था। इसमें सितंबर में पाक की मेजबानीमें होने वाले एशिया कप के भारत के मैच श्रीलंका में रखे गये थे। अशरफ ने कहा, 'पहली बात तो यह है कि मैं पहले ही एशिया कप के हाइब्रिड मॉडल को ठुकरा चुका हूं क्योंकि मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब एससी के बोर्ड ने फैसला किया था कि यह टूर्नामेंट पाक में होगा तो सभी मैच यहीं होने चाहिए।

अशरफ के इस बयान के बाद अब भारत की एशिया कप में भागीदारी के साथ ही इस साल के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पाक के भाग लेने पर भी खतरा पैदा हो गया है। यह भी कहा जा रहा है कि पीसीसी के अड़ियल रुख को देखते हुए अब बीसीसीआई भी इसमें कड़ा रुख अपना सकता है। इससे पहले एसीसी के कार्यकारी बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी है। यह भी संभव है कि अशरफ अगर अपना रूख नहीं बदलते हैं तो एशिया कप की मेजबानी से पाक को बाहर भी किया जा सकता है। वहीं एसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, 'एशिया कप मॉडल को एसीसी ने स्वीकार किया है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अशरफ जो चाहे, वह कहने के लिए स्वतंत्र हैं। हाइब्रिड मॉडल को बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली एसीसी ने स्वीकार किया था। भारतीय बोर्ड पहले ही कह दिया था कि वह अपनी टीम पाक नहीं भेजेगा।

सेठी के अध्यक्ष पद से हटते ही पीसीबी का रुख बदल गया है। अशरफ ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह नहीं चाहते कि बेमानी मैच पाकिस्तान में कराए जाएं। उन्होंने कहा, 'सभी मुख्य मैच पाकिस्तान से बाहर होंगे। नेपाल और भूटान जैसी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी जो फायदेमंद नहीं है। साथ ही कहा कि बोर्ड ने पहले किस आधार पर मंजूरी दी ये मुझे समझ नहीं आया है। मैं देखता हूं कि इतने कम समय में क्या हो सकता है। हम वही करेंगे जो पाकिस्तान के लिए बेहतर हो।

धोनी अपने भविष्य को लेकर सीधे टीम मालिक से बात करेंगे : विश्वनाथन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने को लेकर कहा कि इसका फैसला स्वयं धोनी करेंगे। धोनी अभी घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। विश्वनाथन ने हाल ही में धोनी से मुलाकात की थी और उनकी सेहत को लेकर बातें की थीं। धोनी अब सर्जरी के कारण फरवरी तक मैदान में नजर नहीं आएंगे। .विश्वनाथन ने कहा, धोनी को अच्छे से पता है कि आगे उन्हें क्या करना है। अगर उन्हें आईपीएल से संन्यास लेना होगा। तो वो सीधे ही टीम मालिक एन श्रीनिवासन को इसकी जानकारी देंगे। साल 2008 की शुरुआत से ही वह सीधे सीएसके प्रबंधन से बात करते हैं। यही आगे भी चलता रहेगा। विश्वनाथन ने साथ ही कहा कि धोनी पहले मैच से ही घुटने का दर्द झेल रहे थे पर किसी को शिकायत करे बिना वह टीम के लिए खेलते रहे। उन्होंने अपनी घुटने की तकलीफ को लेकर कभी किसी तरह की शिकायत नहीं की जबकि सभी का पता था कि वह ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे थे। फाइनल जीतने के बाद ही उन्होंने कहा था अब मैं घुटने की सर्जरी कराऊंगा।

विश्वकप के लिए पाक के सभी मैच स्थलों पर फैसला बीसीसीआई ही करेगा

मुम्बई। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान टीम के सभी मुकाबलों को तय करने का अधिकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को दे दिया है। यह पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए एक करारा झटका बताया जा रहा है। इससे पहले पीसीबी ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के कुछ स्थलों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें बदलने को कहा था। वहीं आईसीसी ने मैच के जगहों को बदलने से साफ मना कर दिया है। . एक रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में आईसीसी और मेजबान बीसीसीआई की एक बैठक भी हुई थी। इसमें पाक द्वारा अहमदाबाद, चेन्नई और बैगलोर के मैचों को कहीं और आयोजित कराने की अपील की थी। वही आईसीसी ने अपने फैसले की आधिकारिक तौर पर जानकारी पीसीबी को भी दे दी है। आईसीसी और बीसीसीआई ने मैच की जगह में बदलाव के मामले में कहा कि जब तक पिच या जगह को लेकर कोई परेशानी ना हो ऐसा नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि मैच के आयोजन स्थल की सुरक्षा को लेकर कोई चिंता की बात हो तो इसमें बदलाव किया जा सकता है। अभी इन सब में से कोई भी कारण नहीं दिख रहा है। इसलिए बदलाव की मांग को खारिज कर दिया गया है।

श्रीलंका दौरे के लिए आबिद सहित तीन क्रिकेटरों को शामिल नहीं करने पर भड़के अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अगले माह होने वाले श्रीलंका दौरे के लिए आबिद अली, जाहिद महमूद और उस्मान सलाहुद्दीन जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने के लिए चयनकर्ताओं की आलोचना की है। अफरीदी ने कहा कि घरेलू सर्किट में प्रतिभा और योगदान के बाद भी इन खिलाड़ियों की उपेक्षा की गयी है। अफरीदी ने कहा, हमने एक टेस्ट खिलाड़ी तैयार किया। वो बीमार पड़ गया, इलाज हुआ, और फिर ठीक हो गया। मैं आबिद अली के बारे में बात कर रहा हूं। अब वो आदमी कहां है? मुझे समझ नहीं आ रहा है और उसके अलावा, आपने दो बाएं हाथ के स्पिनरों को टीम में रखा। टीम में जाहिद महमूद नाम का एक लेग स्पिनर था, वह कहां है? उन्होंने साथ ही कहा, टीम के अन्य सभी खिलाड़ी ठीक हैं पर हमारे खिलाड़ी चोटों के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं, और फिर उन्हें टीम में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मेरा मानना है कि उस्मान पहले पाकिस्तान के लिए खेल चुके हैं और उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। कहां है वह? मेरा मतलब है, आप पूरी तरह से नए खिलाड़ियों को ही अवसर मौके देते हैं। आप उन खिलाड़ियों को अवसर नहीं देते जिनमें आपने खर्च किया है। ऐसा लगता है कि उन की जानबूझकर अनदेखी हो रही है। आबिद ने 16 टेस्ट मैच खेले हैं और 49.16 की औसत से 1180 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ था। हालांकि उस्मान ने केवल एक टेस्ट मैच खेला है, लेकिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 139 प्रथम श्रेणी मैचों में भाग लिया और 48.96 की औसत से 53 अर्धशतक और 28 शतक सहित 9254 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 219 रन है।

संजय मांजरेकर की भारतीय चयनकर्ताओं को सलाह, टेस्ट क्रिकेट के लिए ऐसे खिलाड़ियों को ढूंढे

बेंगलुरू (एजेंसी)। जून की शुरुआत में लंदन के ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भारत की अपमानजनक हार के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने चयनकर्ताओं को एक सुझाव दिया है। सभी महत्वपूर्ण टेस्ट मैच में हार ने भारतीय टीम को आईसीसी नॉकआउट मैचों में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के लिए भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से अजिंक्य रहाणे और शार्दुल ठाकुर के अलावा किसी भी भारतीय बल्लेबाज ने एकमात्र टेस्ट की एक पारी में पचास से अधिक रन नहीं बनाए।

मांजरेकर ने इस बात पर जोर दिया कि स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, जो शायद ही कभी सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलते हैं, डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार खिलाड़ी थे। पूर्व क्रिकेटर ने टीम इंडिया से ऐसे खिलाड़ियों की तलाश करने का आग्रह किया जो टी20 प्रारूप से खेल के सबसे लंबे प्रारूप में बदलाव से थके नहीं होंगे। मांजरेकर ने कहा, 'डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए गेम चेंजर स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेलते हैं। इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों को ढूंढना होगा जो थके हुए न हों या जिन्हें आईपीएल से टेस्ट क्रिकेट में समायोजन न करना पड़े।'

57 वर्षीय ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं को उन खिलाड़ियों को पुरस्कृत करना शुरू करना होगा जो घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और विदेशी परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है कि हम उन लोगों को पुरस्कृत करना शुरू करें जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। चयनकर्ता उन खिलाड़ियों पर विचार कर सकते हैं जिनमें भविष्य के टेस्ट खिलाड़ी बनने और विदेशी परिस्थितियों में सफल होने की क्षमता है। मैं कम से कम तीन नए बल्लेबाजों और नए तेज गेंदबाजों को खेलते हुए देखना चाहूंगा।'

भारत का आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरा जुलाई-अगस्त में वेस्टइंडीज दौरा होगा जिसके दौरान वे दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेंगे। दो मैचों की टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र 2023-25 में उनका पहला असाइनमेंट होगा। रोहित शर्मा एंड कंपनी के 1 जुलाई तक वेस्टइंडीज पहुंचने की उम्मीद है।

अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड जाएगी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर मोहित शशिकुमार का कहना है कि अब भारतीय टीम दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम ने हाल ही में एशिया कप जीता है जिससे टीम के हौंसले बुलंद हो गये हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। भारत की जूनियर टीम अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड का दौरा करेगी और मोहित ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए यूरोप की ताकतवार टीमों के सामने अपने को आंकने का अच्छा अवसर मौका होगा। इससे विश्वकप में टीम को लाभ होगा। मोहित ने कहा, 'एशिया कप का खिताब जीतना शानदार अहसास है और अब हम आधिकारिक तौर पर एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बन गये हैं। यह गर्व की अनुभूति है। मुझे भरोसा है कि पूरी दुनिया अब हमारे खेल पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, 'इससे जूनियर विश्व कप से पहले टीम का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही कहा कि अब हम अपने अनुभव को और बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलना होगा। साथ ही कहा कि जूनियर विश्व कप के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से भी भारतीय टीम को टूर्नामेंट के लिए पहले से रणनीति बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'विश्व कप के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से आपको इतने बड़े आयोजन से पहले तैयारी करने के लिए बहुत समय देता है। हमने पहले ही विश्व कप में खेलने के बारे में सोचा था क्योंकि हम जानते थे कि हम एशिया कप से इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। इस युवा गोलकीपर ने कहा, 'हमें अभी काफी काफी मेहनत करनी होगी और आने वाले दिनों में अपने खेल के शीर्ष पर रहना होगा। विश्व कप से पहले, कुछ और दौरे और टूर्नामेंट हैं। इसलिए, हम एक बार में एक कदम उठाएंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

डायमंड लीग के लुसाने चरण में खेलेंगे नीरज चोपड़ा, लंबी कूद में जेस्विन एल्ड्रिन और श्रीशंकर लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मांसपेशी के खिंचाव से उबरने के बाद 30 जून को डायमंड लीग के लुसाने चरण में भाग लेंगे। आयोजकों ने इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है जिसमें चोपड़ा का भी नाम है। उनके अलावा भारत के जेस्विन एल्ड्रिन और श्रीशंकर लंबी कूद में भाग लेंगे। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है ,'' भालाफेंक में भारत के ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकूब वालेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे।'' चोपड़ा ने मांसपेशी में खिंचाव के कारण एफबीके खेल (नीदरलैंड में चार जून) और फिनलैंड में 13 जून को पावो नूरमी खेलों से नाम वापिस ले लिया था।

मेसी अगले माह इंटर मियामी की ओर से पहला मैच खेलेंगे !

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले माह 21 जुलाई को मेक्सिको के क्रूज अजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी की ओर से डेब्यू कर सकते हैं। मेसी ने कुछ समय पहले ही फ्रांस के पैरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब को छोड़ा है। अमेरिकी मेजर लीग क्लब के सह-मालिक जॉर्ज मास के अनुसार मेसी ने आठ मई को पीएसजी छोड़ने के बाद इंटर मियामी से जुड़ने की बात कही थी। अर्जेंटीना को तीसरी बार फीफा विश्व कप जिताने मेसी का पहला मैच फोट 'लॉडरडेल के डीआरवी पीएनके स्टेडियम में खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने इंटर मियामी के साथ ढाई साल का अनुबंध किया है। वह कथित तौर पर एक वर्ष में पांच से छह करोड़ अमेरिकी डॉलर कमायेंगे। जॉर्ज ने कहा कि मेसी के आने अमेरिका में फुटबॉल को विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम जब भी अमेरिका में खेल के बारे में बात करेंगे तो मेसी के पहले और बाद का दौर अलग-अलग होगा। इससे अमेरिकी लीग तेजी से आगे जाएंगी।

आईओसी ने आईओए से सीईओ जल्द नियुक्त करने के लिये कहा, कुश्ती के मसले का भी जल्दी निकाले हल

मुम्बई (एजेंसी)। लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ के सीईओ या महासचिव की नियुक्ति में देरी पर चिंता जताई है। इसके साथ ही देश में कुश्ती महासंघ के मसले को यूडब्ल्यूडब्ल्यू से मिलकर जल्दी सुलझाने का अनुरोध भी किया है। आईओसी ने बुधवार को कार्यकारी बोर्ड की बैठक में कड़ा बयान जारी किया। इस बैठक में उसे भारत के अलावा अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला और सूडान की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों की स्थिति से अवगत कराया गया। आईओसी ने बयान में कहा ,'' भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को कई बार नये सीईओ या महासचिव की नियुक्ति के लिये कहा गया ताकि स्थिति सामान्य हो। लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आईओसी हालात पर नजर रखे हुए है।''

आईओसी ने आईओए से अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों से निपटने के लिये कहा है। पिछले दो महीने में भारतीय कुश्ती चर्चा में रही है जब ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत शीर्ष भारतीय पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आईओसी ने कहा ,'' भारत की एनओसी से अनुरोध है कि अंतरराष्ट्रीय महासंघों से मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों का अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों और निर्देशों के अनुरूप हल निकाले।

खासकर भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े मसले का।'' आईओसी ने इस साल मार्च में कहा था कि आईओए को बिना किसी विलंब के सीईओ की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही आईओसी 2023 सत्र मुंबई में कराने का भी ऐलान किया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति द्वारा बनाये गए नये संविधान के अनुसार आईओए को पी टी उषा की अगुवाई में नये पदाधिकारियों के पद संभालने के एक महीने के भीतर सीईओ की नियुक्ति करनी थी जो महासचिव का काम करेगा। आईओए की नयी परिषद ने दिसंबर में कार्यभार संभाल लिया लेकिन सात महीने में सीईओ की नियुक्ति नहीं की गई। आईओए महासचिव कल्याण चौबे सीईओ का काम कर रहे हैं। सीईओ आईओए की कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा जिसे मताधिकार नहीं होगा।

टेक महिंद्रा ग्लोबल चैस लीग - आनंद और आनंद नें किया शुभारंभ

दुबई। भारतीय शतरंज के साथ साथ अब दुनिया भर की शतरंज का समय आज से बदलने जा रहा है। जिस तरह आईपीएल नें क्रिकेट की तस्वीर बदल दी अब वैसी ही कुछ उम्मीद ग्लोबल चैस लीग (जीसीएल) से लोग कर रहे है। भारत की टेक महिंद्रा और विश्व शतरंज संघ सयुंक्त रुप से इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई मे करने जा रहे है। एक रंगारंग कार्यक्रम मे भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और भारत के जाने माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा नें पहली चाल चलकर इस टूर्नामेंट का उदघाटन किया।

ग्लोबल चैस लीग के पहले संसकरण में कुल छह टीमों को शामिल किया गया है जो डबल राउंड रॉबिन आधार पर कुल आपस में दस मुक़ाबले खेलेंगी और इसके बाद शीर्ष टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करेगी।

प्रतियोगिता में एक अलग तरह का स्कोरिंग सिस्टम रखा गया है जिसमें काले मोहरो से जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा।

प्रतियोगिता में आज दो मुक़ाबले होंगे जिसमें त्रिवेणी कॉन्टिनेन्टल किंग से मुंबा मास्टर्स और चिंगारी गल्फ टाइटन्स से गैंग ऑफ ग्रांड मास्टर्स का मुक़ाबला होगा।

सिक्किम की टीम ने 'स्वच्छ एवं सतत पहाड़ी राज्यों पर संवाद' में लिया हिस्सा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 जून। राज्य शहरी विकास विभाग के सचिव एमटी शेरपा के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने इसी महीने की 19 तारीख को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'स्वच्छ एवं सतत पहाड़ी राज्यों पर संवाद' के तहत 'पर्वत मंथन' शीर्षक के साथ आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की।

सिक्किम के इस प्रतिनिधिमंडल में पीएचई के मुख्य अभियंता जेबी बस्नेत, शहरी विकास विभाग के एसई केशव निरौला और जेसीटीपी समीर राई शामिल रहे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के तत्वावधान में ब्रेमेन ओवरसीज रिसर्च एंड डेवलपमेंट के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय आवास व शहरी मामलों की संयुक्त सचिव रूपा मिश्र मुख्य अतिथि थीं। वहीं, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक जी. अशोक कुमार यहां मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पैनल चर्चा में सिक्किम के एमटी शेरपा और समीर राई ने वक्ता के रूप में ने हिस्सा लेते हुए भारतीय पहाड़ी क्षेत्रों और विशेष रूप से सिक्किम हिमालय क्षेत्र से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षमता निर्माण और हितधारकों की भागीदारी, सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता, सतत विकास हेतु परिपत्र, अर्थव्यवस्था सिद्धांत, एकीकृत दृष्टिकोण, वित्तीय नियोजन की आवश्यकता आदि जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी जोर दिया। इसके अलावा, यूडीडी सचिव शेरपा ने संवेदनशील पहाड़ी ईको सिस्टम के संरक्षण हेतु स्थायी उपायों के रूप में मानसून के दौरान मिट्टी खुदाई एवं सिंगल यूज ख्रलास्टिक पर प्रतिबंध लगाने और निर्माण रहित क्षेत्र की पहचान करने जैसे सिक्किम सरकार की गई पहल का जिक्र किया, जिसकी प्रतिभागियों ने खूब सराहना की।

गौरतलब है कि तेजी से हो रहे शहरीकरण के परिणामस्वरूप संवेदनशील पहाड़ी ईको सिस्टम और हिमालयी जलक्षेत्रों को होने वाले संभावित नुकसान के मुद्दे को लेकर शुरू किये गये यह संवाद पिछले वर्ष जुलाई और दिसंबर में लेह, लद्दाख और सिक्किम में आयोजित पिछली दो परामर्श बैठकों का ही अनुसरण था। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने और कार्य हेतु हिमालयी राज्यों को एक साथ लाना है। यह पहल राज्यों को शहरव्यापी समावेशी और सतत विकास प्रक्रिया की दिशा में आगे बढ़ने के एजेंडे के साथ बहु-विषयक कार्रवाई अनुसंधान, ज्ञान एवं अनुभव साझा करने और क्षमता निर्माण के माध्यम से विशेषज्ञों से जुड़ने में सक्षम बनाएगी।

कार्यक्रम में नीति आयोग के निदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के महानिदेशक के अलावा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन-भारत, स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन, इंटीग्रेटेड माउंटेन इनिशिएटिव के प्रतिनिधियों और 12 सदस्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की भी उपस्थिति रही।

थाने के बाहर धरने पर बैठक बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीणा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 22 जून (एजेन्सी)। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को गुरुवार को यहां अशोक नगर पुलिस स्टेशन के पास गिरफ्तार कर लिया गया, जहां वह धरने पर बैठे थे।

टेंडर में 20 हजार करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप लगाकर मीणा दो दिनों से पुलिस अधिकारियों से राज्य के जल मंत्री महेश जोशी और आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए कह रहे थे। पुलिस के रवैये से क्षुब्ध होकर उन्होंने थाने के बाहर धरना दिया।

गुरुवार की सुबह जब वह पास की जगह पर तरोताजा होने के लिए गए तो पुलिस टीम ने धरना स्थल को घेर लिया और वहां खड़ी गाड़ियों को क्रेन से हटवा दिया। बाद में जब मीणा वापस धरना स्थल पर आये, तो उन्हें गिरफ्तार कर चाकसू पुलिस थाने ले जाया गया। उनके अनुयायी अब इस जगह पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

मीडिया से बातचीत में मीणा ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत कह रहे हैं कि जिसे भी दिक्कत होगी, एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा, अब इसका मतलब है कि सीएम झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनके पास अपने दावों के सबूत हैं। जब उनसे पूछा गया कि राज्य मंत्री महेश जोशी ने कहा है कि वह उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे, तो उन्होंने कहा, संबंधित मंत्री मानहानि का मुकदमा दायर कर सकते हैं।

बुधवार को मीना ने खान एवं भूविज्ञान विभाग में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आरोप लगाया। सांसद ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, गहलोत के इस कार्यकाल में भी खान विभाग में अनियमितताएं हैं। राज्य की खानों को एक साथ लूटा जा रहा है। सांसद ने कहा कि राजस्थान देश का पहला राज्य है जहां सबसे अधिक खनन पट्टे दिए गए हैं। ई-नीलामी के बजाय दान में परमिट बांटे गए हैं।

मणिपुर में स्थिति संभालने के लिए अमित शाह काफी, पीएम मोदी की जरूरत नहीं : फडणवीस

मुंबई, 22 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में स्थिति को संभालने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ही काफी हैं और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तर-पूर्वी राज्य का दौरा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। फडनवीस का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी मणिपुर का दौरा करने के बजाय अमेरिका का दौरा क्यों कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सतारा जिले के कराड शहर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के एक नेता ने कहा था कि पीएम मोदी अमेरिका का दौरा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर का नहीं। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि हमारे केंद्रीय मंत्री अमित शाह मणिपुर में स्थिति को संभालने के लिए यह पर्याप्त है। पीएम मोदी को वहां जाने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि आप (ठाकरे) 'मातोश्री' से वर्ली तक भी नहीं गए, लेकिन आप पीएम मोदी को अमेरिका के बजाय मणिपुर जाने के लिए कह रहे हैं। क्या उन्हें इस पर बोलने का भी कोई अधिकार है?

मैतई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में तीन मई को पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसक झड़पें हुईं। अब तक करीब 120 लोगों की जान जा चुकी है और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

वहीं हिंसा को देखते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के हालात पर 24 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

दहेज की सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ सामूहिक विवाह योजना एक सकारात्मक अभियान: योगी

लखनऊ, 22 जून (एजेनसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी को नकार कर कोई भी समाज सशक्त नहीं हो सकता। आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना विकास की अवधारणा असंभव है।

समाज को सशक्त करने के लिए महिलाओं के प्रति अत्याचार को रोकना होगा, सशक्तिकरण के कदम उठाने होंगे। इसे समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार नारी गरिमा की रक्षा व सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को चंपा देवी पार्क मैदान में डेढ़ हजार जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दहेज की सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ सामूहिक विवाह योजना एक सकारात्मक अभियान है। दहेज एक सामाजिक कुरीति है और दहेज मुक्त विवाह के अभियान में पूरे समाज को खड़ा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक दो लाख से अधिक शादियां करा चुकी है। 2017 के पूर्व प्रति जोड़े विवाह पर 31 हजार रुपये खर्च किए जाते थे बाद में इसे बढ़ाकर 51 हजार रुपये कर दिया गया है। डबल इंजन की सरकार का यह सामूहिकता का प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बेटी, बहन के लिए सुरक्षा के वातावरण में पढ़ाई, रोजगार और सम्मान देने के कार्य पूरी प्रतिबद्धता से चलाए जा रहे हैं। प्रदेश में कन्या के जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चलाई जा रही है तो महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। कन्या की स्नातक की पढ़ाई के बाद उसकी शादी के लिए भी किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, इसके लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना है। यह गांव की बेटी, सबकी बेटी की भावना के अनुरूप है। सीएम योगी ने महिला कल्याण के क्षेत्र में सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना आदि योजनाओं का भी जिक्र किया।

सीएम योगी ने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार ने पुलिस में 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य कर दिया है। 1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या दस हजार थी, आज यह संख्या चालीस हजार है। 2017 के बाद महज छह वर्षों में यह संख्या चार गुना हो गई है। इस तरह के अभियान को गति देते हुए गोरखपुर में पीएसी की महिला बटालियन की स्थापना के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

पंचायत चुनाव गोरखा विरासत को बचाने का चुनाव : अनित थापा

अनुगामिनी नि.सं.

दार्जिलिंग, 22 जून। दार्जिलिंग के जिमखाना क्लब में आयोजित भारतीय गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट के निर्विरोध उम्मीदवारों को बधाई और अभिनंदन कार्यक्रम में बोलते हुए पार्टी अध्यक्ष अनित थापा ने लोगों और क्षेत्रीय विपक्षी दलों को आगाह करते हुए कहा, घर की लड़ाई में बाहरी को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। हमारा मिशन पंचायत अब पहाड़ों को बचाने का अभियान बन गया है। थापा ने कहा कि पंचायत चुनाव स्वर्गीय सुबास घीसिंग के प्रयासों के कारण ही यहां संभव हुआ है। यह गोरखा विरासत को बचाने का चुनाव है।

गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, कमजोर ताकतवर को हराने के लिए गठबंधन बनाते हैं। राजनीति में गठबंधन कोई नई बात नहीं है। लेकिन पंचायत चुनाव के लिए बना गठबंधन पहाड़ की क्षेत्रीय राजनीति के लिए खतरे की घंटी बजा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा बिमल गुरुंग और अजय एडवर्ड्स की पार्टी के उम्मीदवारों को अपना चुनाव चिन्ह देकर चुनाव लड़ रही है। बिमल गुरुंग और अजय एडवर्ड्स की अपनी पार्टी है, अपना झंडा है। लेकिन उन्हें बीजेपी के बैनर तले क्यों लड़ना पड़ा? ये बीजेपी की क्षेत्रीय पार्टी को खत्म करने की साजिश है। घर वालों की लड़ाई में बाहरी भाजपा घुस रही है जिससे बर्बादी के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने दार्जिलिंग से 195 और कालिम्पोंग से 132 उम्मीदवार पंचायत चुनव में उतारे हैं। भाजपा ने पंचायत समिति के लिए दार्जिलिंग में 52 और कालिम्पोंग में 37 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। जबकि दार्जिलिंग जिला में गठबंधन के विमल गुरुंग ने 28, अजय एडवर्ड्सने 209, जीएनएलएफ ने 45 और माकपा ने सात उम्मीदवार (ग्राम और समिति को मिलरकर) मैदान में उतारा है।

पार्टी की जीत पर थापा ने कहा, 'यह जीत हमारी सोच और संघर्ष की जीत है। यह एक ऐसी जीत है जिसने पहाड़ों को शांति और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है। यह जीत पहाड़ों की जीत है। थापा ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि पहाड़ों में बड़े खतरे की घंटी बज रही है और कहा, पीपीएस के जरिए गोरखालैंड का सपना खत्म हो गया है और अब राज्य के अंदर की व्यवस्था भी खत्म हो गई है। हमने गोरखालैंड के लिए अपनी जान दे दी। बीजेपी ने हमें कुछ नहीं दिया।

सोनिया-मनमोहन ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया, बघेल साहब वही यहां कर रहे : अमित शाह

दुर्ग/पेंड्रा, 22 जून (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार और प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार पर जमकर निशाना साधा। दोनों को घोटालों की सरकार बताया। शाह ने कहा कि, सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह ने 10 साल शासन किया। इस दौरान 12 लाख करोड़ का घोटाला किया। वहीं नौ साल में मोदी जी पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। यही हाल छत्तीसगढ़ में भी भूपेश बघेल सरकार का है। वो भी यहां वही कर रहे हैं।

दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में गृहमंत्री अमित शाह ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जनसभा की शुरुआत की। कहा कि, ये प्रभु श्रीराम की ननिहाल है और उनके वन गमन का मार्ग भी है। भगवान राम को प्रणाम करता हूं। उन्होंने भाइयों और बहनों के साथ युवाओं को मेरे जिगर के टुकड़ों जैसे युवा मित्रों कहकर संबोधित किया। शाह ने कहा कि, 2014 के लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में 11 मे से 10 सीटें आप लोगों ने दीं। 2019 में भी 11 सीटें देने का काम छत्तीसगढ़ की जनता ने किया है।

अमित शाह ने लोगों से पूछा कि, अब 2023 मे विधानसभा का चुनाव है, यहां किस पार्टी की सरकार बनेगी? 2024 में राहुल बाबा और मोदी जी कौन प्रधानमंत्री बनेगा?, जोर से बोलो। अमित शाह ने कहा कि, जब सोनिया और मनमोहन सिंह शासन करते थे, देश में आतंकी घटनाएं होती थीं। पाकिस्तान से लोग घुस जाते थे और सिर काट देते थे। मनमोहन सिंह की सरकार उफ तक नहीं करती थी। मोदी जी की सरकार आई। उरी और पुलवामा हमला किया। 10 दिन में मोदी जी एयर स्ट्राइक की और घर में घुसकर आंतकवाद का सफाया कर दिया।

गृहमंत्री शाह ने लोगों से पूछा कि, कश्मीर हमारा है या नहीं है? धारा 370 हटनी चाहिए थी या नहीं? उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने 70 साल में बच्चे की तरह इस धारा को संभाला। धारा 370 हटी तो कांग्रेस के नेता राहुल बाबा के नेतृत्व में कहते थे कि इसे मत हटाओ, कश्मीर में खून की नदिया बह जाएंगी। अब धारा 370 हट गई, खून की नदिया छोड़िए, कंकड़ तक नहीं चले। मोदी सरकार के नौ साल भारत गौरव, गरीब कल्याण, भारत उत्कर्ष के नौ साल हैं। गरीब कल्याण के लिए ढेर सारे काम किए।

अमित शाह ने कहा कि, बाबर ने अयोध्या में राम मंदिर तोड़ा था। उसके बाद जब कांग्रेस की सरकार बनी तो उसने लटकाए रखा। मंदिर बनने नहीं दिया। मोदी जी ने एक दिन जाकर भूमि पूजन किया। अब भव्य मंदिर तैयार हो रहा है। आप लोग जनवरी में पूजन के लिए तैयार रहना। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने श्रीराम का अपमान करने का काम किया। मोदी जी ने जन्मस्थान में सम्मान के साथ भगवान राम को बिठाने का काम किया। मोदी जी के नेतृत्व में देश 11वें नंबर से पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बना। देश का सम्मान दुनिया के सामने बढ़ाया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। ये वादा खिलाफी करने वाली सरकार है। शराबबंदी की घोषणा कर होम डिलीवरी की सुविधा शुरू की। रेडी टू ईट बनाने वाली 22 हजार महिलाओं की नौकरी चली गई। प्रदेश में एक लाख करोड़ का कर्जा भी कर दिया है। तेंदूपत्ता का 500 करोड़ रुपये गरीब आदिवासियों का बकाया है। एक लाख नौकरी की बात कही, लेकिन नहीं दी। कांग्रेस के शासन में वामपंथी उग्रवाद चरम पर था। आज बस्तर के कुछ हिस्से को छोड़कर हर जगह कंट्रोल में है।

शाह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी निशाना साधा। आरोप लगाया कि बघेल साहब, यहां घोटाले पर घोटाले कर रहे हैं। शराब घोटाला 2000 करोड़, परिहन कोयला घोटाला 500 करोड़, गौठान घोटाला 1300 करोड़, पब्लिक सर्विस कमीशन घोटाला। कहा कि, कारोना सेस लगाया, पर खर्च नहीं किया। यह सरकार हर मोर्चे पर फेल रही। उन्होंने कहा कि, आदिवासी बच्चे इलाज के अभाव में मारे गए। संरक्षित जनजाति के सैकड़ों लोग कुपोषण का शिकार बने। एक हजार किसानों ने आत्महत्या की। प्रदेश में 5000 से ज्यादा दुष्कर्म हुए।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
जलपाईगुड़ी निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल के श्री उत्तम सरकार ने **13.04.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **78D 77879** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''मैंने लॉटरी से यह विशाल पुरस्कार राशि जीतने की अपेक्षा नहीं की थी। इस बेहतरीन अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देता हूं। इससे मेरे परिवार के सदस्यों का जीवन स्तर बढ़ेगा और हम भविष्य में बगैर किसी आर्थिक समस्या के जीवन यापन कर सकेंगे।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com